WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

बिग बॉस 14 को मिला घर का पहला कैप्टन

वर्षः 01 अंक : 304 | लखनऊ, शुक्रवार, 23 अक्टूबर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

विदेशी छात्रों, कारोबारियों को भारत आने की इजाजत, टूरिस्ट वीजा पर रोक जारी

वीजा पाबंदियों में ढील

नयी दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने वीजा पाबंदियों में बड़ी राहत दी है। सरकार ने ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया और पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन कार्डधारकों को वीजा देने की मंजूरी दी है। गृह मंत्रालय ने बताया कि इनके अलावा विदेशी छात्र और कारोबारियों को भी भारत आने के लिए वीजा जारी किया जाएगा। हालांकि, सरकार ने टूरिस्ट वीजा पर पाबंदी बरकरार रखी है।

गृह मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि सरकार ने वीजा और यात्रा पाबंदियों में ग्रेडेड छूट देने का फैसला किया है। इसके तहत विदेशी नागरिकों को भारत आने और भारतीय नागरिकों को देश से बाहर जाने में सुविधा होगी। कारोबार, कॉन्फ्रेंस, रोजगार, पढ़ाई, रिसर्च और इलाज के लिए वीजा दिए जाएंगे। सभी यात्रियों को स्वास्थ्य मंत्रालय की कोरोना गाइडलाइंस का पालन करना होगा। गृह मंत्रालय के ताजा निर्देशों के मुताबिक, इलेक्ट्रॉनिक वीजा, टूरिस्ट वीजा और मेडिकल वीजा के अलावा सभी तरह के मौजूदा वीजा को तत्काल प्रभाव से बहाल कर दिया गया है। इलाज के लिए भारत आने वाले विदेशी नागरिकों को अटेंडेंट के साथ मेडिकल वीजा के लिए आवेदन करना होगा। जिन कैटेगरी को वीजा पाबंदियों से छूट दे दी गई है, उनके तहत लोग हवाई और समुद्री रास्तों से भारत आ सकेंगे। सरकार ने विदेशियों को देश में प्रवेश देने के लिए चुनिंदा हवाई अड्डों और इमिग्रेशन चेक पोस्ट को इजाजत दी है। सरकार के इस फैसले में वंदे भारत मिशन, एयर ट्रांसपोर्ट बबल अरेंजमेंट या सरकार से मंजूरी दी गईं नॉन शेड्यूल्ड कॉमर्शियल फ्लाइट को भी शामिल किया गया है। कोरोनावायरस के कारण भारत ने 23 मार्च को अंतरराष्ट्रीय यात्री उड़ानों पर प्रतिबंध लगाया था। हालांकि, 25 मई से घरेलू उड़ानें शुरू कर दी गई थीं। कोरोना के दौरान विदेशों में फंसे भारतीयों की वापसी के लिए वंदे भारत मिशन के तहत स्पेशल फ्लाइट्स चलाई गई थीं। वहीं, खाड़ी देशों में फंसे भारतीय नागरिकों को वापस लाने के लिए नौसेना के जहाज भी तैनात किए गए थे। सरकार वंदे भारत मिशन के तहत सात फेज में 50 से ज्यादा देशों से लाखों भारतीय नागरिकों को वापस लाया जा चुका है।

पेंशन भेदभाव को दूर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नयी दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के अधीन आने वाले सशस्त्र बलों के जवानों के पेंशन लाभ में विसंगतियों और भेदभाव को दूर करने के लिए एक याचिका उच्चतम न्यायालय में दायर की गयी है। भारतीय जनता पार्टी नेता एवं पेशे से वकील अजय अग्रवाल ने 'हमारा देश, हमारे जवान ट्रस्ट' की तरफ से यह याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है, ''केंद्र सरकार गृह मंत्रालय के तहत आने वाले और एक जनवरी 2004 के बाद सेवा में आने वाले सशस्त्र बल के कर्मियों के लिए हाइब्रिड पेंशन योजना लागू कर रही है, जो पुरानी और नयी पेंशन योजना का मिश्रण है, लेकिन यह नयी अंशदायी पेंशन योजना केंद्र सरकार के सशस्त्र बलों पर लागू नहीं होती है।'' याचिका के अनुसार, गृह मंत्रालय के तहत आने वाले सशस्त्र बलों के लिए छह अगस्त, 2004 को स्पष्टीकरण जारी किया गया था कि ये सभी गृह मंत्रालय के तहत 'केंद्र' के सशस्त्र बल हैं। इनमें सशस्त्र सीमा बल, आईटीबीपी, सीमा सुरक्षा बल, असम राइफल्स, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ तथा एनएसजी शामिल हैं। याचिका में कहा गया है कि गृह मंत्रालय के तहत आने वाले सशस्त्र बलों के प्रत्येक जवान पुरानी योजना के तहत पेंशन पाना चाहते हैं, लेकिन केंद्र सरकार कोई कार्यवाही नहीं कर रही है और इस प्रकार गृह मंत्रालय के तहत आने वाले सशस्त्र बलों के साथ भेदभाव हो रहा है। श्री अग्रवाल ने आगे कहा है कि बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी और असम रायफल्स दिन रात हमारी सीमाओं की रक्षा करते रहते हैं और रक्षा करते हुए आये दिन इनके जवान वीरगति को प्राप्त होते हैं याचिकाकर्ता ने शीर्ष अदालत के कई निर्णयों का हवाला देते हुए कहा है कि पेंशन इन सशस्त्र बलों का अधिकार है और सेवानिवृत्ति के बाद जीवन की संध्या में एक सम्मानित एवं गरिमापूर्ण जीवन जीने के लिए यह बेहद जरूरी है याचिका में कहा गया है कि कई बार आवेदन देने के बावजूद सरकार ने कुछ भी नहीं किया है।

कोरोना के सक्रिय केसों में लगातार कमी, घटकर 7.15 लाख हुये

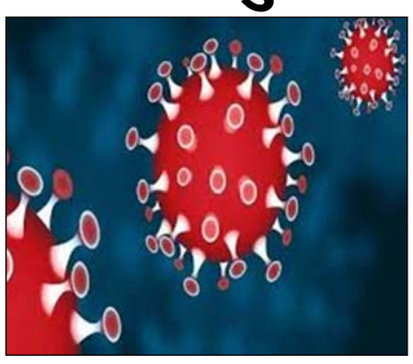

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) के सक्रिय मामलों में लगातार कमी हो रही है और अब इसकी संख्या घटकर 7.15 लाख पर आ गई है तथा संक्रमण का आंकड़ा लगातार बढ़ते हुए 77 लाख को पार कर गया है।

देश में स्वस्थ होने वाले कोरोना मरीजों की संख्या लगातार बढ़ने से सक्रिय मामलों में कमी देखी जा रही है।केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 55,839 नये मामले आये और संक्रमितों की कुल संख्या 77 लाख को पार कर 77,06,946 हो गयी। इसी अवधि में 79,415 लोगों ने कोरोना को मात दी है और इसे मिलाकर देश में अब तक 68,74,518 मरीज कोरोनामुक्त हो चुके हैं। नये मामलों की तुलना में स्वस्थ होने वालों की संख्या अधिक होने से सक्रिय मामले 24,278 घटकर 7,15,812 हो गये हैं। इस दौरान 702 कोरोना संक्रमितों की मौत हुई और इस संख्या को मिलाकर अब तक 1,16,616 लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है। देश में स्वस्थ होने वालों की दर बढ़कर 89.20 प्रतिशत और सक्रिय मामलों की दर घटकर 9.29 प्रतिशत पर आ गयी है जबकि मृत्यु दर अभी 1.51 फीसदी है। कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 15,409 घटकर 1,59,346 लाख हो गये हैं जबकि 180 की मौत होने से मृतकों की संख्या 42,633 हो गयी है। इस दौरान 23,371 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 14.15 लाख से अधिक हो गयी।

पालघर भीड़ हिंसाः महाराष्ट्र पुलिस ने आठ और लोगों को गिरफ्तार किया

पालघर, एजेंसी। महाराष्ट्र पुलिस के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने गुरुवार को इस साल अप्रैल में पालघर जिले में भीड़ द्वारा तीन लोगों की पीट-पीट कर हत्या मामले में आठ और लोगों को गिरफ्तार किया है। इससे एक दिन पहले पुलिस से इस मामले में 24 लोगों को गिरफ्तार किया था। पुलिस अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पालघर भीड़ हिंसा मामले में गुरुवार को आठ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी कोविड-19 महामारी के बीच घटनास्थल पर मौजूद थे। इनमें से कुछ को घटनास्थल के वायरल वीडियो में भी देखा गया है और कुछ उस समय घटना में शामिल थे।अधिकारी ने कहा कि घटनास्थल के वीडियो में आरोपी हाथ में लाठी पकड़े भी दिखाई दे रहे है।

त्यौहारों के दौरान कोविड प्रोटोकॉल का रखें ध्यानः प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने त्यौहारों के दौरान उत्साह तथा उल्लास के बीच कोविड महामारी से संबंधित प्रोटोकॉल का ध्यान रखने की अपील की है। श्री मोदी ने पूर्वी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा कोलकाता में लगाये गये पंडाल का अनावरण करते हुए कहा कि कोरोना महामारी को देखते हुए मास्क पहनने , सामाजिक दूरी बनाये रखने और अन्य एहतियाती उपायों का त्यौहारों की खुशियां मनाते समय विशेष ध्यान रखे जाने की जरूरत है जिससे कि कोरोना के संक्रमण पर अंकुश लगाया जा सके। यह पहला मौका है जब प्रधानमंत्री ने दुर्गा पूजा के दौरान बंगाली समुदाय के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर देश के सामाजिक तथा आर्थिक विकास में बंगाल के महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बंगाल ने आजादी के समय से ही महत्वपूर्ण योगदान दिया है और सांस्कृतिक क्षेत्र में भी इसका अथाह योगदान रहा है। पहले भी इस राज्य ने देश को 'दिशा' दिखायी है हमें उम्मीद है कि यह कोरोना की इस छाया में भी देश को रास्ता दिखायेगा। श्री मोदी ने अपने संबोधन की शुरूआत बंगला भाषा में की और लोगों को दुर्गा पूजा तथा दीवाली की शुभकामनाएं दी। प्रधानमंत्री का बंगाल में आज वीडियो कांफ्रेन्स के माध्यम से दस पंडालों का उद्घाटन करने का कार्यक्रम है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पहले ही राज्य के दस जिलों में 70 पूजा पंडालों का उद्घाटन कर चुकी हैं।

मिलावटी खोया पर शिकंजा कसने की तैयारी, पूरे देश में सर्वेक्षण करा रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मिठाइयों में खोया या मावा का इस्तेमाल बड़ी मात्रा में किया जाता है। बर्फी, पेड़ा, मिल्क केक, कलाकंद आदि मिठाइयों में खोया मुख्य घटक रहता है। त्योहारों के मौसम में इसकी मांग और बढ़ जाती है, जिसके चलते मिलावट करने वाले इस मौके का फायदा उठाते हैं और नकली खोया तैयार कर बाजार में बेचते हैं। इस पर लगाम लगाने के लिए सरकार पूरे देश में सर्वे करवा रही है। खोया में मिलावट के मामले बार-बार सामने आते रहे हैं। इसे लेकर फेडरेशन ऑफ स्वीट्स एंड नमकीन मैन्युफैक्चरर्स ने हाल ही में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के सीईओ से मुलाकात कर यह मुद्दा उठाया था। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग, दिल्ली ने इसे लेकर एक पायलट सर्वे करवाया था।

टैंक रोधी मिसाइल नाग के सभी परीक्षण पूरे

नयी दिल्ली, एजेंसी। तीसरी पीढ़ी के टैंकरोधी निर्देशित प्रक्षेपास्त्र नाग का आज पोखरण परीक्षण रेंज पर प्रयोक्ता द्वारा अंतिम परीक्षण किया गया जो पूरी तरह सफल रहा। प्रक्षेपास्त्र वास्तविक मुखास्त्र से लैस था और परीक्षण के लिए निर्धारित दूरी पर एक टैंक को लक्ष्य के तौर पर रखा गया था। प्रक्षेपास्त्र को नाग प्रक्षेपण वाहन एनएएमआईसीए द्वारा दागा गया। प्रक्षेपास्त्र ने लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाते हुए उसे सफलतापूर्वक भेद दिया। नाग को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा अत्यधिक सुदृढ़ बनाया गया है और यह दिन तथा रात दोनों समय में दुश्मन टैंकों को निशाना बनाने में सक्षम है। प्रक्षेपास्त्र, समग्र और प्रतिक्रियाशील कवच से लैस सभी टैंकों को नष्ट करने के लिए एक पैसिव होमिंग गाइडेंस उपकरण के साथ-साथ 'दागो और भूल जाओ' तथा 'उच्च हमले' की क्षमताओं से लैस है। नाग प्रक्षेपास्त्र वाहक एनएएमआईसीए एक बीएमपी-ढ्ढ आधारित प्रणाली है जो पानी और जमीन दोनों पर चलने में सक्षम है। इस अंतिम प्रयोक्ता परीक्षण के बाद, अब नाग उत्पादन के चरण में प्रवेश करेगा। प्रक्षेपास्त्र का उत्पादन रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रम भारत डायनामिक्स लिमिटेड (बीडीएल) द्वारा किया जाएगा, जबकि मेडक स्थित आयुध निर्माणी एनएएमआईसीए का उत्पादन करेगी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय सेना को नाग प्रक्षेपास्त्र के सफल परीक्षण के लिए बधाई दी। डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. जी. सतीश रेड्डी ने प्रक्षेपास्त्र को उत्पादन चरण तक लाने में डीआरडीओ, भारतीय सेना और उद्योग के प्रयासों की सराहना की।

सीमा विवाद को लेकर 30 अक्तूबर को अगली बैठक करेंगे भारत और चीनः विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। विदेश मंत्रालय की ओर से गुरुवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने सीमा विवाद को लेकर भारत और चीन के बीच वार्ता, भारत-अमेरिका के बीच होने वाली 2+2 वार्ता और आतंकवाद के मुद्दे व सीमा पर पाकिस्तान की हरकतों समेत विभिन्न मुद्दों पर जानकारी दी। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को हल करने की कोशिशें दोनों देश वार्ताओं के जरिए कर रहे हैं। श्रीवास्तव ने बताया कि दोनों देशों के बीच अगली बैठक 30 अक्तूबर को आयोजित होगी। श्रीवास्तव ने कहा कि सीमा विवाद को हल करने के लिए भारत और चीन राजनयिक और सैन्य स्तर की वार्ताओं का दौर जारी रखेंगे। प्रवक्ता ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच होने वाली तीसरी 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता में पारस्परिक हितों के द्विपक्षीय मुद्दों पर विस्तार से विमर्श किया जाएगा। दोनों पक्ष क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अपने विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। इस वार्ता में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री एस जयशंकर और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। श्रीवास्तव ने कहा कि अमेरिका के रक्षा मंत्री मार्क एस्पर और विदेश मंत्री माइक पोम्पियो अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। ये दोनों एनएसए अजीत डोभाल से भी मुलाकात करेंगे। बता दें कि भारत और अमेरिका के बीच यह वार्ता 27 अक्तूबर को होगी। पोम्पियो और एस्पर वार्ता के लिए 26 और 27 अक्बतूर को भारत का दौरा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पाकिस्तान की सेना ने लगातार युद्धविराम उल्लंघन जारी रखा है। ये उल्लंघन नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार आतंकवादियों की घुसपैठ कराने के लिए नागरिक क्षेत्रों से किए जाते हैं। मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि इस साल अब तक पाकिस्तानी सेना ने बिना किसी कारण के 3800 बार युद्धविराम का उल्लंघन किया है। प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि नागरिक गतिविधियों की ओट में पाकिस्तान की ओर से एलओसी के पास से हथियार और गोला-बारूद गिराने की कोशिशें भी की गई हैं।

पाकिस्तान में गृह युद्ध जैसे हालात

सिंध पुलिस और पाक सेना की लड़ाई में 10 की मौत

कराची, एजेंसी। विपक्षी दलों, पुलिस और सेना के बीच चल रही तनातनी के साथ पाकिस्तान में गृह युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। सिंध की पुलिस और पाक सेना दोनों आमने सामने आ गए हैं। दोनों के बीच गोलीबारी भी हो रही है। मीडिया में चल रही खबरों के मुताबिक, सेना-पुलिस संघर्ष में अब तक दस से अधिक लोगों की मौत बताई जा रही है। इनमें पांच सैनिक भी शामिल हैं। वहीं, पाकिस्तानी मीडिया ने गंभीर होते हालातों को कहीं न कहीं जनता से छिपाने की कोशिश भी शुरू कर दी है। सिंध की पुलिस और पाक सेना के बीच भीषण गोलीबारी के दौरान सेना ने पुलिस अधीक्षक आफताब अनवर को हिरासत में ले लिया। बता दें यह मामला तब तूल पकड़ा जब पाकिस्तान में 11 विपक्षी दलों के गठबंधन 'पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट' (पीडीएम) ने 16 अक्तूबर को एक रैली आयोजित की थी। इसके बाद गुजरांवाला में जनसभा हुई थी। मरियम ने रैली में प्रधानमंत्री खान को खुलेआम 'कायर और कठपुतली' करार दिया था। उन्होंने कहा था कि इमरान खान 'अपनी नालायकी को छिपाने के लिए फौज के पीछे जाकर छिप जाते हैं। रैली के बाद सिंध पुलिस ने सोमवार को मरयम नवाज शरीफ के पति और पूर्व प्रधान मंत्री नवाज शरीफ के दामाद सफदर अवान को कराची के एक होटल से गिरफ्तार कर लिया था। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था। वहीं, पाकिस्तान के प्रमुख अखबार डॉन में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, सिंध प्रांत के सभी बड़े पुलिस अधिकारियों ने छुट्टी पर जाने का फैसला किया है। इनमें कम से कम दो अतिरिक्त महानिरीक्षक, सात डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल और छह वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित कई बड़े अधिकारी शामिल हैं।

दिल्ली दंगे, विभाजन के बाद हुई सबसे भयानक हिंसाः कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को कहा कि इस साल फरवरी में उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगे राजधानी में विभाजन के बाद सबसे भयानक सांप्रदायिक दंगे थे और यह 'प्रमुख वैश्विक शक्ति बनने की आकांक्षा रखने वाले राष्ट्र की अंतरात्मा में एक घाव था। अदालत ने आप के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन के तीन मामलों में जमानत याचिकाओं को खारिज करते हुए यह टिप्पणियां की। हुसैन पर सांप्रदायिक हिंसा के भड़काने के लिए कथित तौर पर अपने राजनीतिक दबदबे का दुरुपयोग करने का आरोप है। अदालत ने कहा कि यह सामान्य जानकारी है कि 24 फरवरी, 2020 के दिन उत्तर पूर्वी दिल्ली के कई हिस्सें सांप्रदायिक उन्माद की चपेट में आ गए, जिसने विभाजन के दिनों में हुए नरसंहार की याद दिला दी। दंगे जल्द ही जंगल की आग की तरह राजधानी के नए भागों में फैल गये और अधिक से अधिक निर्दोष लोग इसकी चपेट में आ गए। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव ने कहा कि दिल्ली दंगे 2020 एक प्रमुख वैश्विक शक्ति बनने की आकांक्षा रखने वाले राष्ट्र की अंतरात्मा पर एक घाव है और दिल्ली में हुए ये दंगे विभाजन के बाद सबसे भयानक सांप्रदायिक दंगे थे। अदालत ने कहा कि इतने कम समय में इतने बड़े पैमाने पर दंगे फैलाना पूर्व-नियोजित साजिश के बिना संभव नहीं है।

दिल्ली-एनसीआर में सांसों का संकट गहराया, छाई जहरीली धुंध की चादर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में गुरुवार की सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 254 रहा और प्रदूषण का स्तर खराब की श्रेणी में ही रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) समेत अन्य एजेंसियों ने गुरुवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार का पूर्वानुमान लगाया था लेकिन यह बुधवार की तरह गुरुवार को भी खराब की श्रेणी में ही रहा। सीपीसीबी के अनुसार बुधवार को दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 256 था। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की संस्था 'सफर' ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि 23 और 24 अक्टूबर को वायु की गुणवत्ता खराब से बहुत खराब के बीच रहेगी। आज सुबह दिल्ली के आईटीओ में वायु गुणवत्ता स्तर 254 और पटपड़गंज में 246 मापा गया। यह दोनों ही खराब श्रेणी में आते हैं। राजपथ पर सुबह साइकिल से सैर करने वाले कुछ लोगों ने बताया कि, हमें साइकलिंग के वक्त सांस लेने में तकलीफ होती है। अगस्त और अब की हवा में बहुत अंतर है जो हम महसूस कर पा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 0 और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब, 301 और 400 के बीच बहुत खराब और 401 और 500 गंभीर माना जाता है।

राहुल का तंज

वैक्सीन आपको कब मिलेगी जानने को देखें चुनाव की डेट

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बिहार के लोगों को कोरोना वायरस की वैक्सीन मुफ्त उपलब्ध कराने के बीजेपी के चुनावी वादे को लेकर तंज कसते हुए गुरुवार को कहा कि भारत सरकार ने कोविड के टीके तक पहुंच की रणनीति की घोषणा कर दी है और अब लोग इसे हासिल करने की जानकारी के लिए रायवार चुनाव कार्यक्रमों पर गौर कर सकते हैं। उन्होंने ट्वीट किया, भारत सरकार ने कोरोना वायरस के टीके तक लोगों की पहुंच से जुड़ी अपनी रणनीति की घोषणा कर दी है। कृपया यह जानने के लिए रायवार चुनाव कार्यक्रमों का सहारा लें कि यह आपको दूसरे फर्जी वादों के पिटारे के साथ कब मिलेगा। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट कर दावा किया, मोदी सरकार ने तो कोरोना की वैक्सीन नहीं ढूंढी, पर बिहार की जनता ने बिहार बचाने की वैक्सीन जरूर ढूंढ ली है। जद(यू)-भाजपा भगाओ, महागठबंधन सरकार लाओ। उल्लेखनीय है कि बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा का संकल्प पत्र जारी करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को पटना में कहा कि कि जब तक कोरोना वायरस का टीका नहीं आता है, तब तक मास्क ही टीका है, लेकिन जैसे ही टीका आ जायेगा तो भारत में उसका उत्पादन बड़े स्तर पर किया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि हमारा संकल्प है कि जब टीका तैयार हो जायेगा तब हर बिहारवासी को कोरोना वायरस का टीका मुफ्त में उपलब्ध कराया जाएगा।

बाढ़ की समस्या पर बोले योगी निकालेंगे स्थायी हल

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में हर साल कहर ढाने वाली बाढ़ की समस्या का स्थायी समाधान निकालने का इरादा जाहिर करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इस सिलसिले में कार्ययोजना तैयार हो रही है। मुख्यमंत्री बृहस्पतिवार को यहां अपने आवास पर बाढ़ प्रभावित 19 जिलों के 3,48,511 किसानों को उनकी फसलों की क्षतिपूर्ति के बदले 113.21 करोड़ रुपये का ऑनलाइन भुगतान कर रहे थे। बता दें कि इस मौके पर उन्होंने कहा कि बाढ़ का स्थायी समाधान निकाला जाएगा। इस सिलसिले में कार्य योजना तैयार की जा रही है। जब तक ऐसा नहीं होता तब तक बाढ़ से सुरक्षा के लिए सभी संवेदनशील जगहों पर समय से मानक के अनुसार काम होगा। योगी ने कहा यह हो भी रहा है। यही वजह है कि हिमालय से लगे तराई के इलाके में इस साल औसत से दो-तीन गुना बारिश होने के बावजूद कहीं भी बाढ़ के कारण गंभीर समस्या नहीं उत्पन्न हुई। उन्होंने किसानों को क्षतिपूर्ति के तौर पर धनराशि देते हुए कहा कि हालांकि आपकी मेहनत और क्षति की तुलना में यह रकम मामूली है, पर मरहम जैसी यह रकम आपके हितों की प्रति हमारी प्रतिबद्धता का सुबूत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई और मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार किसानों के हितों के प्रति प्रतिबद्ध है। कोरोना वायरस के असाधारण संकट से लेकर वैश्विक आर्थिक मंदी तक अगर भारत की अर्थव्यवस्था पर कोई खास असर नहीं रहा।

बिहार में 23 अक्तूबर को 2 चुनावी सभा में दहाड़ेंगी मायावती

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती 23 अक्तूबर को बिहार के रोहतास और कैमूर में दो चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगी। इन दोनों जगहों पर पहले चरण में 28 अक्तूबर को मतदान होना है। उनकी पहली सभा रोहतास के जगजीवन स्टेडियम में होगी जबकि दूसरी सभा कैमूर में। बिहार विधानसभा चुनाव में बसपा का उपेन्द्र कुशवाहा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के साथ गठबंधन है।

धान खरीद में अनियमितता पर योगी सरकार सख्त

पांच केंद्र प्रभारी सस्पेंड, 10 के खिलाफ एफआईआर 178 को नोटिस

लखनऊ, संवाददाता। धान खरीद में अनियमितता को लेकर योगी सरकार का रुख बेहद कड़ा है। शासन स्तर पर ऐसी हर शिकायत का संज्ञान लिया जा रहा है और संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की जा रही है। क्रय केंद्रों के आठ प्रभारियों समेत 10 लोगों के खिलाफगंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। बरेली मंडल के पांच केंद्र प्रभारियों को निलंबित किया जा चुका है। चार केंद्र प्रभारियों के खिलाफ प्रतिकूल प्रविष्टि, 21 के खिलाफचेतावनी और 178 के खिलाफकारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अब तक 208 लोगों के खिलाफकार्रवाई की जा चुकी है। जिन क्रय केंद्र के प्रभारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है उनमें पीलीभीत के 3, बरेली, कानपुर नगर, हरदोई के एक-एक, शाहजहांपुर के दो हैं। इसके अलावा हरदोई के एक बिचौलिये और अन्य व्यक्ति के खिलाफभी एफआईआर दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही कह चुके हैं कि हर किसान के धान का एमएसपी पर धान खरीदा जाना चाहिए। इसके लिए संबंधित जिले के डीएम जवाबदेह होंगे। इस क्रम में खरीफके मौजूदा सीजन में अब तक 21 हजार से अधिक किसानों से 1542566 कुंतल धान की खरीद की जा चुकी है। कृषि विभाग के पोर्टल पर अब तक 477121 किसानों ने अपना पंजीकरण कराया है। इनमें से 293073 का सत्यापन भी हो चुका है।

112-यूपी पर अब भोजपुरी, अवधी, ब्रज बुन्देली क्षेत्रीय भाषा मे भी बातचीत होगी

लखनऊ, संवाददाता। अब यदि आप पुलिस की सहायता हेतु 112-यू0पी0 पर फोन कर अपनी शिकायत या समस्या बतायेगे तो आपसे आपकी उसी क्षेत्रीय भाषा में बातचीत की जायेगी। 112-यू0पी0 द्वारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के निर्देश पर यह कदम उठाया गया है ताकि परस्पर संवाद की प्रक्रिया को और बेहतर किया जा सके। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने उक्त जानकारी देते हुये बताया कि यह संवाद भोजपुरी, अवधी, ब्रज, बुन्देली आदि उसी क्षेत्रीय भाषा में भी किया जायेगा जिसका उपयोग संवादकर्ता द्वारा किया जायेगा। अलग-अलग क्षेत्रीय भाषाओं में उत्तर देने के लिए उसी क्षेत्र के संवाद अधिकारियों को 112-यूपी के अधिकारियो द्वारा चुना गया है। अपर पुलिस महानिदेशक, 112-यूपी असीम अरूण ने इस संबंध में अपनायी गई प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्रीय भाषाओं में लोगों से संवाद करने के लिए आपातकालीन सेवा में संवाद अधिकारियों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया है।

एसपी गोयल पर राज्यपाल का पत्र मुख्यमंत्री को प्राप्त नहीं!

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर को दी गयी सूचना के अनुसार तत्कालीन राज्यपाल राम नाइक द्वारा मुख्यमंत्री के प्रमुच सचिव एस पी गोयल के संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 30 अप्रैल 2018 को भेजा पत्र मुख्यमंत्री कार्यालय नहीं पहुंचा। राम नाइक ने अपने पत्र में मुख्यमंत्री को कथित रूप से कहा था कि इंदिरानगर, लखनऊ निवासी अभिषेक गुप्ता ने उन्हें बताया कि हरदोई स्थित उनके पेट्रोल पम्प में अतिरिक्त भूमि हेतु प्रस्ताव एस पी गोयल के पास लंबित है, जो इस काम के लिए 25 लाख रुपये मांग रहे हैं और रिश्वत नहीं देने के कारण निर्णय नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय के जन सूचना अधिकारी महेंद्र विक्रम सिंह ने अपने उत्तर में बताया कि यह पत्र मुख्यमंत्री कार्यालय के अभिलेखों में उपलब्ध नहीं है. नूतन के अनुसार यह आश्चर्यजनक है कि राज्यपाल का मुख्यमंत्री को सीधे भेजा पत्र भी अभिलेखों में मौजूद नहीं है।

अमित शाह के जन्म दिवस पर तहरी भोज

लखनऊ, संवाददाता। बुक्कल नवाब ने आज ऐतिहासिक पुरूष अमित शाह के जन्म दिवस के शुभ अवसर पर सैकड़ों लोगों के लिए तहरी भोज व आलू पूड़ी बांटे जाने का आयोजन किया गया, इस मौके पर अमित शाह जी की लम्बी उमर की प्रार्थना की गयी और 56 कबूतर छोड़े गये, उक्त कार्यक्रम कला कोठी शंकर भगवान का मंदिर निकट रूमीगेट लखनऊ में बुक्कल नवाब द्वारा कराया गय, कार्यक्रम में समाज सेवी संस्थाओं ने भी भागलिया,कला कोठी के मुख्य पुजारी नीरज अवस्थी ने भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

काले बाबा की काली करतूत का भंड़ाफोड़, धर्म का चोला पहनकर चला रहा जिस्मफरोशी का धंधा

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। जहां पर धर्म की आंड में एक पाखंडी बाबा जिस्मफरोशी का धंधा चला रहा है। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी पाखंडी बाबा को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि बाद में छोड़ दिया जिसकी वजह से लोगों में नाराजगी है।जानकारी के मुताबिक मामला लखनऊ महानगर के थाना ठाकुरगंज के हुसैनाबाद स्थित जामा मजार के पास का बताया जा रहा है। जहां पर काले बाबा नाम का पाखंडी बाबा सैक्स रैकेट चला रहा है। इस गोरखधंधे में लिप्त एक महिला को नग्न अवस्था में ग्रमीणों ने पकड़ लिया जबकि आरोपी युवक किसी तरह से भाग निकला। वहीं जब मामले की शिकायत पुलिस से की गई तो पुलिस ने आनन फानन में आरोपी बाबा को गिरफ्तार कर लिया जिसे बाद में छोड़ भी दिया।

एमएसएमई को बढ़ावा मिलने के साथ पैदा हुये रोजगार के अवसर

ई-कॉमर्स के प्रति छोटे शहरों के व्यापारियों, किराना और ग्राहकों का बढ़ा रूझान

लखनऊ, संवाददाता। देश में अब छोटे शहरों में भी ऑनलाईन खरीददारी का रूझान बढ़ा है। यहीं बल्कि ऐसी जगहों के व्यापारियों के सामानों की भी खूब बिक्री हुयी है। यह जानकारी फ्लिपकार्ट की खत्म हुयी द बिग बिलियन डेज के बाद सामने आये आंकड़ों में दी गयी है। इस सेल के माध्यम से खासकर स्थानीय एमएसएमई को बढ़ावा मिला है, जिसका परिणाम यह रहा है कि ब्राण्ड्स और किराना ने आपस में मिलकर न केवल ग्राहकों की जरूरतों को पूरा किया बल्कि रोजगार के नये अवसर भी पैदा किये।

फ्लिपकार्ट में कस्टमर ग्रोथ एंड एंगेजमेंट की वाइस प्रेसीडेंट नंदिता सिन्हा ने कहा इस त्योहारी सीजन में फ्लिपकार्ट का उद्देश्य था कि समुदाय की ताकत को फिर से बहाल किया जाए। ग्राहकों से मिली जबरदस्त प्रतिक्रिया से वैल्यू चेन से जुड़े सभी लोगों को रिकवरी की शुरुआत का संकेत मिला है। टीबी बीडी 2020 विक्रेताओं, कारीगरों, किराना स्टोर्स और विश मास्टर्स, सभी की भागीदारी से संभव हुआ है। इन्हों ने हमारे ग्राहकों तक ऐसी सेवा पहुंचाई है जिस की तुलना नहीं की जा सकती। उम्मीद है कि मांग और खपत में दिखाई दी यह वृद्धि टीबी बीडी के बाद भी बनी रहेगी क्योंकि हम पूरे ई को सिस्टम को बेहतर बनाना जारी रखेंगे। यह पहला पूरी तरह वर्चुअल टीबीबीडी भी था क्योंकि हमने खुद को न्यूनॉर्मलश् के हिसाब से तैयार किया है। इस की सफलता के पीछे सभी वर्टिकल्स और जगहों पर हमारी टीमों द्वारा की गई कड़ी मेहनत का हाथ है। करोड़पति विक्रेताओं की संख्या 1.5गुना हो गई और लखपति विक्रेताओं की संख्या में 1.7गुना की वृद्धि हुईकोविड-19 के बाद फ्लिपकार्ट मार्केट प्लेस पर 40,000 विक्रेता लखपति बने यह ई-कॉमर्स पर एमएसए मई के भरोसा को दर्शाता है। इस बिग बिलियन डेज में छोटे शहरों के छोटे व्यापारियों की काफी बिक्री हुई।

एमएसपी को लेकर कांग्रेस पार्टी ने दिया धरना, डीएम को सौंपा ज्ञापन

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू के दिशा निर्देश पर किसानों के हित में कांग्रेस के नेताओ ने जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। कांग्रेस पार्टी का आरोप है कि धान खरीद,गन्ना भुगतान को लेकर किसान हर दिन शिकायते कर रहे है। लेकिन प्रदेश की योगी सरकार किसानों के हित की बात नहीं कर रही है। जब कि जो किसानों की आवाज उठा रहे है उनके ऊपर फर्जी मुकदमे सरकार कर रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को निर्धारित मुल्य नहीं मिल रहा है। बिचौलिया और अधिकारियों की मिली भगत से किसाना परेशान है। बता दें कि कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी ने बताया की प्रियंका गांधी और अजय कुमार लल्लू के निर्देश पर सभी जिलाधिकारीयों के माध्यम से उत्तर प्रदेश की राज्यपाल को किसानों की समस्या को लेकर ज्ञापन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि धान खरीद एमएसपी के आधार पर हो यह कांग्रेस पार्टी की मांग है।

भ्रष्टाचार के दोषी लखनऊ के पूर्व जिला होमगार्ड कमाण्डेन्ट की सेवा समाप्त

फर्जी मस्टररोल बनाकर करते थे होमगार्डों की तैनाती

लखनऊ, संवाददाता। दायित्व निर्वहन में भ्रष्टाचार के विरुद्ध मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती लगातार जारी है। बुलंदशहर में होमगार्डों की ड्यूटी लगाने के लिए घूस लेने वाले जिला कमाण्डेन्ट को नौकरी से बर्खास्त करने के बाद अब लखनऊ में तैनात रहे जिलाकमान्डेंट की सेवा समाप्त कर दी गई है। लखनऊ में तैनात रहे जिला कमाण्डेन्ट होमगाड्र्स, कृपा शंकर पाण्डेय फर्जी मस्टररोल तैयार कर अनियमितता करते हुए होमगार्डों की ड्यूटी लगाई और भुगतान भी कराया। मामले की शासन स्तर से हुई गहन जांच के बाद अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला कमाण्डेन्ट कृपा शंकर पांडेय को बर्खास्त करने का आदेश दिया है। गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर इस कार्रवाई की जानकारी दी। अगस्त, 2019 के मस्टररोल में जिस होमगार्ड की ड्यूटी गुडंबा थाने में लगाई गई थी, वह दरअसल वह जिला कमाण्डेन्ट के आवास पर ड्यूटी कर रहा था। इसी तरह अगस्त, 2019 के मस्टररोल की जांच में पाया गया कि मस्टररोल सभी 23 होमगाईम का मोबाइल नम्बर अंकित नहीं है। यहां कार्यदिवस भी सत्यापित किया गया था। यही स्थिति थाना गुडम्बा के मस्टररोल में माह जुलाई, 2019 की भी मिली। जुलाई व अगस्त , 2019 के थाना गुडम्बा में फर्जी मानव दिवस दिखाकर सम्बन्धित के खातों में मिलीभगत करते हुए धनराशि हस्तान्तरित की गई। वहीं, थाना विभूति खण्ड में माह जुलाई एवं अगस्त, 2018 तथा माह जुलाई एवं अगस्त 2019 के मस्टररोल पर सम्बन्धित प्रभारी निरीक्षकध्उपनिरीक्षक के हस्ताक्षर अंकित किये गये, उसे थाना स्तर से उनके हस्ताक्षर होना नहीं पाया गया और यह मस्टररोल भी फर्जी मिला। जांच के दौरान करीब आधा दर्जन बार आरोपी अधिकारी से जवाब भी मांगा गया लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इन सब गड़बड़ियों की गहन जांच के बाद अब मुख्यमंत्री ने तत्कालीन जिला कमाण्डेन्ट होमगाड्र्स, लखनऊ कृपा शंकर पाण्डेय को सेवा से बर्खास्त करने का आदेश दिया है।

24 रेल कर्मियों को मासिक संरक्षा पुरस्कार

लखनऊ, संवाददाता। आज संरक्षित गाड़ी परिचालन एवं दुर्घटना रहित रेल संचालन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से गाड़ी संचालन से जुड़े 24 रेल कर्मियों को मण्डल के विभिन्न खण्डों पर ड्यूटी के दौरान सतर्कता बरतने व जागरूकता दिखाकर ट्रेन दुर्घटनाओं को बचाने के विशेष मामलों में मण्डल रेल प्रबंधक संजय त्रिपाठी द्वारा पुरस्कार प्रदान किया गया, इस पुरस्कार वितरण में 3 रेल कर्मियों संजय कुमार टेक्नी-2 (सी/डब्लू) वाराणसी, मिथलेश कुमार पांडेय, की-मैन हैदरगढ़ एवं रवि कुमार पॉइंट्स-मैन शाहगंज को महाप्रबंधक पुरस्कार सहित 21 अन्य कर्मियों को क्ड् अवार्ड से सम्मानित किया गया, इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक, संजय त्रिपाठी ने सतर्क व्यक्ति ही संरक्षा का सर्वोत्तम साधन है।

जो परिवारवाद से ऊपर नहीं उठ रहे, वे जनता का भला क्या करेंगे: स्वतंत्रदेव

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि जो दल परिवारवाद से ऊपर नहीं उठ पा रहे वे जनता का भला क्या सोचेंगे। उन्होंने कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों की नीयत पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि कभी आंतकी घटनाओं के आरोपियों और कभी हिंसा और अराजकता करने वालों का समर्थन करने वाले दलों के नेताओं को अब जनता के बीच जबाब देना चाहिए कि आखिर ऐसा करने के पीछे उनका मकसद क्या है।

कोविड-19 संक्रमित 35 और लोगों की मौत, 2,402 नए मरीज

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 से 35 और लोगों की मौत हो गई तथा 2,402 नए मरीजों में इस संक्रमण की पुष्टि हुई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बृहस्पतिवार को जारी बुलेटिन के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में कोविड-19 से 35 और लोगों की मौत हो गई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस वायरस से मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 6,790 पहुंच गई है। सबसे ज्यादा चार मौतें राजधानी लखनऊ में हुई हैं। इसके अलावा वाराणसी में तीन, कानपुर, प्रयाग राज, मेरठ, आगरा, अयोध्या, देवरिया तथा हरदोई में दो-दो मरीजों की मृत्यु हुई है। राजधानी लखनऊ में अब तक सबसे ज्यादा 837 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा कानपुर में 720, वाराणसी में 317 और इलाहाबाद में 314 मरीजों की मौत हो चुकी है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में 2,402 नए मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। सबसे ज्यादा 281 नए मामले राजधानी लखनऊ में आए हैं। इसके अलावा गौतम बुद्ध नगर में 180, गाजियाबाद में 152 तथा प्रयागराज में 143 नए मामले प्रकाश में आए हैं। राज्य में इस वक्त 29,131 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। प्रदेश में बुधवार को 157,696 नमूनों की जांच की गई। राज्य में अब तक एक करोड़ 1,36,03,679 नमूने जांचे जा चुके हैं।

रबी-उल-अव्वल में भी गाइड लाइन पर पूरी तरह अमल किया जाए: नवीन अरोड़ा

लखनऊ, संवाददाता। इस्लामिक सेन्टर आफ इण्डिया फरंगी महल के अर्न्तगत ईदगाह लखनऊ में 12 रबी-उल-अव्वल व मीलादुन्नबी सल्ल0 के सिलसिले में पुलिस, प्रशासन के उच्च अधिकारी, उलमाक्राम, सुन्नी संगठनों व अंजुमनों के जिम्मेदारों की एक मीटिंग इमाम ईदगाह व काजी-ए-शहर लखनऊ मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग में विशेष तौर पर ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर नवीन अरोड़ा, डी0सी0पी0 द्विवेश पाण्डे, ए0डी0सी0पी0 गोपाल कृष्ण चौधरी, ए0सी0पी0 सिटी मजिस्ट्रेट, एडिश्नल म्यूनिसपल कमिश्नर अमित कुमार व विभिन्न विभागों के जिम्मेदारों ने शिरकत की। मीटिंग को खिताब करते हुए मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा कि हर साल रबी उल अव्वल के इस मुबारक महीने में बड़े पैमाने पर मीलाद-उन-नबी सल्ल0 की महफिलें आयोजित होती हैं और ऐतिहासिक जुलूस मदहे सहाबा रजि0 निकाला जाता है जिसमें लाखों की संख्या में रसूल पाक सल्ल0 के सच्चे आशिक शिरकत करते हैं। लेकिन इस साल कोविड-19 के प्रोटोकॉल और सरकार की गाइड लाइन को देखते हुए अवामी तौर पर बड़द्दे पैमाने पर जलसे आयोजित नही होगें। इसी वजह से जुलूस मदहे सहाबा भी नही निकाला जायेगा। मौलाना ने कहा कि एहतियात का तकाजा यही है कि जिस तरह रमजानुल मुबारक, ईद उल फित्र और ईद उल अजहा के अवसरों पर हम लोगों ने कोई भी अवामी प्रोग्राम नही किया और हद यह है कि नमाजें भी अधिकतर घरों में ही अदा कीं। रबी उल अव्वल के मौके पर भी एहतियाती उपायों पर अमल करके हमें एक बार फिर एकता और जिम्मेदार शहरी होने का सुबूत पेश करना है और पैगम्बर साहब के बताये हुए रास्ते पर चलते हुए गरीबों की ज्यादा से ज्यादा मदद की जाये। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर नवीन अरोड़ा ने इस बात की प्रशंसा की कि उलमा ने जुलूस न निकालने का ऐलान करके एक जिम्मेदार नागरिक होने का बेहतरीन उदाहरण पेश किया है। उन्होने कहा कि कोविड-19 का खतरा अभी भी बना हुआ है और ऐहतियात ही केवल इस बीमारी से बचाव का बेहतरीन जरिया है। इस लिए यह जरूरी है कि अवाम तमाम त्यौहारों के मौकेघ् पर सरकार की गाइड लाइन पर मुकम्मल तौर पर अमल करे। उन्होने कहा कि रबी उल अव्वल के मौकेघ् पर भी सब के लिए गाइड लाइन पर पूरी तरीके से अमल करना अनिवार्य है।

महिला हेल्पडेस्क की स्थापना के लिए अलग कक्ष स्थापित किया जायेगा: मुख्य सचिव

लखनऊ, संवाददाता। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिये जनपद की प्रत्येक तहसील पर महिला हेल्प डेस्क की स्थापना के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं। उक्त जानकारी देते हुये मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि जनपद की तहसीलों पर राजस्व विभाग से सम्बन्धित अपनी समस्या एवं शिकायतें लेकर आने वाली महिलाओं की शिकायतों को सुनने एवं उसके गुणवत्तापूर्ण निस्तारण एवं पीड़ित महिलाध्शिकायतकर्ता को तहसील पर इधर-उधर भटकना न पड़े, के लिये तहसील स्तर पर एक आधुनिक केन्द्रीयकृत महिला हेल्पडेस्क की स्थापना किये जाने का निर्णय लिया गया है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत महिला हेल्पडेस्क की स्थापना हेतु एक अलग कक्ष स्थापित किया जायेगा, जिसमें तहसील स्तर पर उपलब्ध संसाधनों में से एक कम्प्यूटर एवं प्रिण्टर स्थापित किये जायेंगे एवं बिजली, पंखा एवं स्वच्छ पीने के पानी की उचित व्यवस्था होगी। महिलाओं की शिकायतों को सुनने के लिये तहसील पर तैनात उपयुक्त स्तर की महिला कार्मिक की तैनाती की जायेगी, जो कि व्यवहार कुशल एवं मृदुभाषी हो। महिला हेल्पडेस्क पर आने वाली पीड़ित महिलाओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जायेगा। उन्होंने बताया कि प्राप्त शिकायतों एवं शिकायतकर्ता का विवरण कम्प्यूटर में फीड किया जायेगा। शिकायतों को कम्प्यूटर पर फीड करने के लिये तहसील स्तर पर उपलब्ध ऐसे कर्मी जिनकों कम्प्यूटर पर कार्य करने का अनुभवध्ज्ञान हो की रोस्टरवार तैनाती की जायेगी एवं हेल्पडेस्क पर तैनात महिला कार्मिक द्वारा शिकायत की पावती रसीद अपने हस्ताक्षर एवं मुहर सहित शिकायतकर्ता को प्रदान की जायेगी। महिला हेल्प डेस्क के अन्तर्गत प्राप्त शिकायतों का निस्तारण आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर एन0आई0सी0 द्वारा विकसित महिला हेल्प डेस्क मॉड्यूल पर किया जायेगा। महिला हेल्प डेस्क पर तहसीलदार से अन्यून अधिकारी द्वारा नियमित रूप से पर्यवेक्षण किया जायेगा तथा उसका उप जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक सप्ताह एवं जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक 15 दिवस पर गुणवत्ता एवं प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा की जायेगी। महिला हेल्पडेस्क हेतु चिन्हित स्थल पर उपयुक्त साइज की वाल पेण्टिंगध्बैनर भी लगाया जायेगा तथा साथ ही महिला सशक्तिकरण से सम्बन्धित पोस्टर इत्यादि भी लगाये जायेंगे। उन्होंने बताया कि उक्त दिशा-निर्देश अपर मुख्य सचिव राजस्व द्वारा सभी जिलाधिकारियों को 25 अक्टूबर, 2020 तक तद्नुसार केन्द्रीयकृत महिला हेल्प डेस्क का संचालन सुनिश्चित कराने के निर्देश निर्गत कर दिये गये हैं।

कोरोनारूपी रावण का दहन कर मनायी दशहरे की खुशियां

शक्ति की पूजा कर राम ने किया कोरोनारूपी रावण का दहन

लखनऊ, संवाददाता। कोविड के चलते बच्चों के विद्यालय में न आने के कारण सेंट जोसेफस्कूल में बच्चों की शिक्षिकाओं ने कोविड प्रोटोकाल के साथ धूमधाम से दशहरा मनाया। जो एक हजार से अधिक बच्चों द्वारा ऑनलाइन लाइव देखा गया। इस अवसर पर कक्षा नौ से कक्षा बारह के दो सौ से अधिक छात्र-छात्रायें उपस्थित थे।इसके पूर्व महिषासुर मर्दिनी नृत्य के माध्यम से महिषासुर का वध हुआ। जो विद्यालय की प्री-प्रायमरी और प्रायमरी की अध्यापिकाओं द्वारा अभिनीत किया गया। प्रभु राम ने रावण वध से पूव शक्ति की उपासना की तत्पश्चात रावण वध करके रावण के पुतले का दहन किया। साथ ही कोरोना के शीघ्र ही समाप्त होने का आशीर्वाद दिया। प्रबन्ध निदेशक अनिल अग्रवाल और निदेशक नर्म्रता अग्रवाल आरती उतार कर और पुष्प वर्षा के साथ प्रभु राम का राज्याभिषेक किया। इस अवसर पर विद्यालय समूह की संस्थापक प्रबन्धक पुष्पलता अग्रवाल ने आनलाइन संदेश देते हुये कहा कि हमारे पर्व व त्यौहार बच्चों को सदैव अच्छी शिक्षा देते है। उन्होने सभी को नवरात्रि, व विजय के प्रतीक पर्व दशहरा की हार्दिक शुभकामनायें प्रदान की। इस अवसर पर उपस्थित बच्चों के साथ उनके अभिभावक व स्थानीय निवासियों ने भी शिक्षिकाओं द्वारा प्रस्तुत महिसासुर मर्दिनी व कोरोनारूपी रावण दहन का भरपूर आनंद उठाया।

धान खरीद में गड़बड़ी को लेकर सीएम योगी सख्त, प्रभारियों को गिरफ्तार करने के दिए निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धान खरीद में गड़बड़ी को लेकर सख्त एक्शन लिया है। दरअसल, उत्तर प्रदेश में हाल ही में धान खरीद के दौरान कई अनियमितताओं की शिकायत आई थी। आठ केंद्र प्रभारियों सहित 10 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही सीएम योगी ने धान खरीद में गड़बड़ी करने वाले हर शख्स को गिरफ्तार कर जेल भेजने के निर्देश दिए हैं। किसानों ने आरोप लगाया था कि उनकी उपज का उचित मूल्य उन्हें नहीं मिल पा रहा है। मंडियों के बाहर प्राइवेट व्यापारियों के लोग किसानों को बहला-फुसलाकर विभिन्न दामों पर धान खरीद रहे हैं। जिसके बाद प्रियंका गांधी ने भी प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोला था। प्रियंका गांधी ने ट्वीट करते हुए कहा था कि सरकार उत्तर प्रदेश में किसानों को धान का वाजिब मूल्य दिलाने में नाकाम है। वहीं, अब उत्तर प्रदेश में धान खरीद को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य में किसानों को उचित मूल्य दिलाने के लिए डीएम भी जिम्मेदार होंगे।

प्रदेश सरकार ने विकास की लाइफ लाइन कही जाने वाली सड़कों का बिछाया जाल

बस्ती। सड़कों को विकास की जीवन रेखा कहा जाता है। क्योंकि यदि किसी क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करना है तो उस क्षेत्र में सड़क का निर्माण करा दिया जाय, तो उस क्षेत्र का विकास स्वतः हो जायेगा। उ0प्र0 के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जब प्रदेश की बागडोर संभाली थी तभी उन्होंने कहा था कि हम प्रत्येक बस्ती, गांव, ब्लाक एवं जनपद को इस तरह जोडेंगे कि किसी भी मरीज के अस्पताल जाने, छात्र-छात्राओं को स्कूल कालेज जाने, किसान को अपनी उपज बेचने मण्डी जाने, उद्योगों, व्यवसायों की स्थापना के लिए तथा आम नागरिकों को आवागमन की परेशानी नहीं होगी। अपने अब तक के कार्यकाल में मुख्यमंत्री ने गांवो, मजरों में सम्पर्क मार्गों का निर्माण कराकर सीधे मुख्यमार्गों से जोड़कर हर तरह के आवागमन को सुचारू और सुगम बना दिया है। वहीं प्रदेश में एक्सप्रेस-वे के निर्माण से देश के अन्य राज्यों से प्रदेश को जोड़कर औद्योगिक और व्यापारिक गति में तेजी लाई है।

प्रदेश के लोक निर्माण विभाग द्वारा ग्रामीण सड़कों का निर्माण एवं ब्लॉक व तहसीलों के मार्गों को चौड़ीकरण करते हुए आवागमन को सुगम बनाया है। विभाग द्वारा नवीन सड़कों का निर्माण रखरखाव, मरम्मत, चौड़ीकरण, नेशनल हाईवे की मरम्मत तथा रखरखाव, विभिन्न सेतुओं का निर्माण, सरकारी भवनों का निर्माण तथा रखरखाव आदि महत्वपूर्ण कार्य मानक एवं गुणवत्तापूर्ण किये जाते हैं। वर्ष 2001 एवं वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर 250 से अधिक आबादी के ग्रामों को सम्पर्क मार्गों से जोड़ने का कार्य प्रदेश सरकार ने तेजी से कराये हैं। इसके साथ ही खराब व टूटी सड़कों की मरम्मत कराकर गड्ढामुक्त किया गया है। प्रदेश सरकार ने अब तक हजारों राजस्व ग्रामों को सम्पर्क मार्गों से जोड़ते हुए 11259 किलोमीटर लम्बाई की ग्रामीण मार्गों का निर्माण कराया है तथा तहसीलों, विकासखण्डों के मार्गों को टू-लेन में बनाते हुए चैड़ीकरण कर 12600 किलोमीटर लम्बाई के मार्गों का चैड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया गया है। प्रतिभा एवं शिक्षा को प्रोत्साहन - प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश में पहली बार प्रतिभा, शिक्षा एवं विकास का समावेश करते हुए हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करते हुए उनके निवास स्थल तक मार्ग का निर्माण/मरम्मत कर ''डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम गौरव पथ'' के रूप में विकसित कर अभिनव योजना लागू की है। अब तक निर्गत बोर्ड परीक्षा परिणामों के आधार पर 210 मेधावी छात्रों के निवास तक सड़क बनायी जा रही है, जिसमें 108 सड़कें बन गई हैं। शेष निर्माणाधीन हैं।

प्रदेश सरकार ने प्रदेश में पहली बार राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने हेतु खिलाड़ियों के निवास/ग्राम तक मार्ग का निर्माण कर ''मेजर ध्यान चंद विजय पथ'' के नाम से अभिनव योजना लागू की है। इस योजना के अन्तर्गत इस वर्ष 19 खिलाड़ियों के निवास/ग्रामों तक मार्ग का निर्माण किया जा रहा है।

देश के बलिदानी शहीदों का सम्मान -देश की रक्षा करते हुए सीमा पर शहीद हुए बलिदानी शहीदों को सम्मान देते हुए उनके घर/गांव तक सड़क का निर्माण/मरम्मत करते हुए ''जय हिन्द वीर पथ'' योजना प्रदेश सरकार ने प्रारम्भ की है। प्रदेश में ऐसे शहीदों के नाम से उनके घर तक सर्वऋतु मार्ग निर्माण का कार्य किया जा रहा है, जो उनके बलिदान की शौर्यगाथा को दर्शाती रहेगी। प्रदेश में 39 शहीदों के घर तक सड़क बनाई जा रही है, जिसमें 17 सड़कें बन गई हैं, शेष निर्माणाधीन हैं। हर्बल मार्गों का विकास - प्रदेश में लोक निर्माण विभाग द्वारा सभी जनपदों के प्रत्येक खण्डों में एक-एक हर्बल मार्ग विकसित किया जा रहा है, जिनमें मार्गों के किनारे हर्बल पौधे रोपित किये जा रहे हैं। प्रदेश के 75 जनपदों के सभी 175 खण्डों में हर्बल मार्ग का चयन करते हुए 31253 हर्बल पौधे रोपित किये जा चुके हैं। अवशेष मार्गों पर पौधरोपण का कार्य चल रहा है।

कलेक्ट्रेट पर एमएसपी को लेकर कांगेस पार्टी ने दिया धरना

लखनऊ, संवाददाता। किसानों की धान की फसल की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किये जाने, लखनऊ जनपद के बन्द पड़े धान क्रय केन्द्रों को तत्काल खोलने, गन्ना किसानों के बकाये का तत्काल भुगतान कराये जाने, निजी नलकूपों के लिए बिजली की कीमतों में की गयी। बढ़ोत्तरी को सरकार द्वारा तत्काल वापस लेकर पुरानी व्यवस्था बहाल करने एवं कृषक भाइयों को छुट्टा पशुओं से हो रहे नुकशान को रोकने के लिए तत्काल व्यवस्था बनाने के सम्बन्ध में महानगर कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान एवं जिला कांग्रेस कमेटी लखनऊ के अध्यक्ष वेद प्रकाश त्रिपाठी के संयुक्त नेतृत्व में जिला कलेक्ट्रेट लखनऊ में कांग्रेसजनों द्वारा धरना-प्रदर्शन कर जिलाधिकारी के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया। महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों की भांति लखनऊ के हमारे अन्नदाता किसानों को भी उपरोक्त समस्याओं से जूझना पड़ रहा है।

मनरेगा कन्वर्जन्स के अन्तर्गत निर्धारित परियोजनाओं के सापेक्ष तत्काल मस्टर रोल जारी करते हुए रोजगार उपलब्ध कराएं:सीडीओ

समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियन्ता को कारण बताओ नोटिस जारी करने का दिया निर्देश

बस्ती। सीडीओ सरनीत कौर ब्रोका ने निर्देश दिया है कि मनरेगा कन्वर्जन्स के अन्तर्गत निर्धारित परियोजनाओं के सापेक्ष तत्काल मस्टर रोल जारी करते हुए श्रमिको को रोजगार उपलब्ध कराये। अपने चेम्बर में आयोजित सिचाई विभाग के अन्तर्गत आने वाले विभागों के कार्यो की समीक्षा करते हुए उन्होने निर्देश दिया कि मनरेगा के अन्तर्गत प्रारम्भ किए गये कार्यो पर निर्धारित मानक/गुणवत्ता के बोर्ड अनिवार्य रूप से कार्य स्थल पर स्थापित कराये।

उन्होने निर्देश दिया कि स्वीकृत कार्यो पर प्रथम किश्त के रूप में जारी 40 प्रतिशत धनराशि का उपभोग प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें ताकि दूसरी किश्त अवमुक्त की जा सकें। उन्होने समीक्षा में पाया कि लधु सिचाई विभाग ने 350 स्वीकृत कार्यो के सापेक्ष 185 कार्यो पर मस्टर रोल जारी किया है तथा 6361 श्रमिको को कार्य दिया है, 39 कार्यो का भुगतान भी कर दिया गया है।

उन्होने समीक्षा में पाया कि नलकूप विभाग द्वारा 55 स्वीकृत कार्यो के सापेक्ष 39 कार्यो का 125 मस्टर रोल जारी कर दिया है। इसके द्वारा 4003 मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। सरयू नहर खण्ड-4 बस्ती द्वारा स्वीकृत 18 कार्यो के सापेक्ष 87 मस्टर रोल जारी किए गये है तथा 850 मजदूरों को काम दिया गया है। सरयू नहर खण्ड-अयोध्या द्वारा 05 स्वीकृत कार्यो के सापेक्ष 44 मस्टर रोल जारी करते हुए 387 मजदूरों को काम दिया गया है। सरयू नहर खण्ड-3 गोण्डा ने 06 स्वीकृत कार्यो पर 83 मस्टर रोल जारी करते हुए 762 मजदूरों को काम उपलब्ध कराया है। बाढ कार्य खण्ड प्रथम बस्ती ने 03 स्वीकृत कार्यो के सापेक्ष 57 मस्टर रोल जारी कराया है तथा 526 मजदूरों को काम दिया है। समीक्षा में उन्होने पाया कि सरयू डेऊनेज खण्ड सिद्धार्थ नगर ने 04 कार्य स्वीकृत कराया था परन्तु किसी कार्य पर न तो मस्टर रोल जारी हुआ है और न ही कोई काम शुरू हुआ है। इस पर सीडीओ ने असंतोष व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियन्ता को कारण बताओं नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है।

बैठक का संचालन उपायुक्त मनरेगा इन्द्रपाल सिंह ने किया। उन्होने बताया कि बाढ खण्ड द्वारा ब्लाक दुबौलिया में काशीपुर दुबौलिया तटबन्ध, बहादुरपुर में शैफाबाद कलवारी मार्जिनल तटबन्ध तथा कुदरहॉ ब्लाक में कलवारी रामपुर बॉध का सुदृढीकरण कराया जा रहा है। बैठक में अधिशासी अभियन्ता राकेश कुमार गौतम, लधु सिचाई से राजेश कुमार, नलकूप, सरयू नहर खण्ड अयोध्या, गोण्डा, सिद्धार्थ नगर तथा बाढ कार्य के अभियन्तागण उपस्थित रहें।

घर में घुसकर की सोफा कारीगर की हत्या

■ मौके पर खून लगा छोटा सिलेंडर मिला ■ मकान में युवक अकेले रहता था, किराएदार ने पुलिस को दी सूचना

गोरखपुर/ गोरखनाथ थाना क्षेत्र के लच्छीपुर में सोफा कारीगर वाजिद अली (40) के सिर पर छोटे सिलिंडर से प्रहार कर हत्या कर दी गई। घर में घुसकर वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश फरार हो गए। आसपास के लोगों को वारदात की भनक तक नहीं लग सकी। रात आठ बजे के करीब किराएदार बहादुर के आने पर हत्या की खबर पुलिस को हो सकी।

इसके बाद एसपी सिटी डॉ. कौस्तुभ फोरेंसिक टीम और पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। प्रथमदृष्टया वारदात के पीछे संपत्ति का विवाद सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, वाजिद अली लच्छीपुर स्थित अपने आवास में अकेले रहते थे। बहादुर नाम का किराएदार मकान में रहता है। बहादुर सुबह काम पर चला गया था। बुधवार रात आठ बजे के करीब वह लौटा तो देखा कि बाहर का दरवाजा खुला है। अंदर वाजिद का दरवाजा बिना सिटकनी लगाए बंद था। बहादुर के आवाज देने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई। इस पर उसे शक हुआ तो दरवाजा खोलकर देखा। बिस्तर के नीचे वाजिद का शव पड़ा था। पास में एक छोटा सिलिंडर पड़ा था, जिस पर खून के निशान थे। यह देखकर वह शोर मचाने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग एकत्र हो गए और पुलिस को जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस गोरखनाथ थाना प्रभारी रामज्ञा सिह मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी दी। एसपी सिटी डॉ. कौस्तुभ ने कहा कि सिर पर चोट के निशान मिले हैं। मामले की छानबीन की जा रही है, जल्द ही घटना का पर्दाफाश कर लिया जाएगा।

एलईडी मोबाईल वैन एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से होगा कौशल विकास मिशन के कार्यो का प्रचार-प्रसार:सीडीओ

बस्ती। जनपद में कौशल विकास मिशन के प्रचार-प्रसार हेतु नुक्कड़ नाटक व एलईडी मोबाईल वैन का दिनॉक 23 अक्टूबर 2020 को 10.00 बजे कलेक्टेऊट परिसर में जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन द्वारा हरी झण्डी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जायेंगा। उक्त जानकारी मुख्य विकास अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने दी है।

उन्होने बताया कि जनपद के चिन्हित 04 स्थानो कलेक्टेऊट परिसर, बड़ेवन, नगर बाजार एवं कलवारी में एलईडी मोबाईल वैन एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कौशल विकास मिशन के कार्यो की जागरूकता हेतु जनसामान्य में व्यापकर प्रचार-प्रसार किया जायेगा।

एलईडी मोबाईल वैन एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से होगा कौशल विकास मिशन के कार्यो का प्रचार-प्रसार : सीडीओ

बस्ती। जनपद में कौशल विकास मिशन के प्रचार-प्रसार हेतु नुक्कड़ नाटक व एलईडी मोबाईल वैन का दिनॉक 23 अक्टूबर 2020 को 10.00 बजे कलेक्टेऊट परिसर में जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन द्वारा हरी झण्डी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया जायेंगा। उक्त जानकारी मुख्य विकास अधिकारी सरनीत कौर ब्रोका ने दी है। उन्होने बताया कि जनपद के चिन्हित 04 स्थानो कलेक्टेऊट परिसर, बड़ेवन, नगर बाजार एवं कलवारी में एलईडी मोबाईल वैन एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से कौशल विकास मिशन के कार्यो की जागरूकता हेतु जनसामान्य में व्यापकर प्रचार-प्रसार किया जायेगा।

सेवा निवृत्त शिक्षकों की बैठक में मुद्दो पर विमर्श

बस्ती। सेवा निवृत्त प्राथमिक शिक्षक कल्याण परिषद की बैठक गुरूवार को वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय परिसर में जिलाध्यक्ष राम बहोर मिश्र की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में सेवा निवृत्त शिक्षकों की समस्याओं के निस्तारण पर विचार विमर्श करते हुये रणनीति तय की गई। परिषद जिलाध्यक्ष राम बहोर मिश्र ने बैठक को सम्बोधित करते हुये कहा कि 2015 में सेवानिवृत्त हुये शिक्षकों के जीवन बीमा की धनराशि का अभी तक भुगतान नहीं हो सका है। इसके भुगतान के साथ ही पेंशन विक्री की अवधि 15 वर्ष से घटाकर 12 वर्ष किया जाना चाहिये। सेवा निवृत्त होने पर मूल पेंशन का 70 प्रतिशत पेंशन निर्धारित करने के साथ ही उसका भुगतान कोषागार से ही जारी रखा जाय। बैठक में मुख्य रूप से हरिराम तिवारी, दान बहादुर दूबे, रामफेर यादव, लक्ष्मी गुप्ता, रामनरायन उपाध्याय, रामचन्द्र तिवारी, जयन्त्रीधर दूबे, रमाकान्त पाण्डेय, अब्दुल गफ्फार, धर्मेन्द्र शुक्ल, हुसेन अहमद, रामलौट, मुरलीधर शुक्ल, राम सुमेर चौधरी, हरिशर्मा द्विवेदी आदि शामिल रहे।

मिशन शक्ति योजना के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया

बस्ती। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में गुरुवार को जनपद बस्ती के प्रभारी एंटी रोमियो निधी यादव व जनपद बस्ती के समस्त थानो पर गठित एंटी रोमियो टीम द्वारा स्कूलों/कालेजों/विघालयों/सार्वजनिक स्थानो पर बालिकाओ व महिलाओ को मिशन शक्ति योजना के तहत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आत्मरक्षा का प्रशिक्षण/जानकारी दिया गया। साथ ही महिलाओं को 1090,181,112,108 पुलिस कंट्रोल नंबर -112 चाइल्ड हेल्पलाइन -1098 के बारे में भी जानकारी दी गयी एवं 70 संदिग्ध व्यक्तियो की चेकिंग की गयी चेकिंग के दौरान 32 मनचलों से माफिनामा भरवाकर सख्त हिदायत देकर छोड़ा गया।

प्रथम ग्राम स्तरीय बैठक का आयोजन

अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क परियोजना के संबंध में जिलाधिकारी महोदय द्वारा गठित समिति की प्रथम ग्राम स्तरीय बैठक का आयोजन तहसील उरई के ग्राम अमरौड़ में किया गया जिसकी अध्यक्षता श्री पी0के0सिंह, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व द्वारा की गई। बैठक में अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क परियोजना हेतु भूमि प्रबन्धन समिति के सम्मानित सदस्य आशूतोष चतुर्वेदी वरिष्ठ कोषाधिकारी, उपजिलाधिकारी उरई, तहसीलदार उरई, राकेश कुमार पाण्डेय परियोजना अधिकारी नेडा, बुन्देलखण्ड सौर ऊर्जा लि0 से संजीव कुमार पाण्डेय उप प्रबंधक तथा लखनऊ से आये बीएसयूएल के उपप्रबंधक गण अमित प्रताप सिंह व अरूण कुमार एवं तहसील व ग्राम स्तरीय कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री दिनेश प्रताप सिंह द्वारा किया गया। बैठक का शुभारम्भ अपर जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ कोषाधिकारी उरई के द्वारा मॉ सरस्वती एवं श्री गणेश जी के आवाह्न एवं दीप प्रज्जवलन के साथ प्रारम्भ किया गया। भूमि प्रबन्ध समिति की बैठक में अल्ट्रा मेगा सोलर पार्क परियोजना के संबंध में राकेश कुमार पाण्डेय, परियोजना अधिकारी यूपीनेडा विस्तृत जानकारी देते हुये बताया गया कि इस परियोजना का

निर्माण न्छछम्व। एवं छम्च्ब् स्जक के संयुक्त उपक्रम ठैन्स् ;ठनदकमसींदक ैनत न्तरं स्पउपजमकद्ध द्वारा कराया जायेगा। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, द्वारा जनपद को 1200 मेगावाट की सौर परियोजना की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसे 600-600 मेगावाट के दो चरणों में निर्मित कराया जायेगा। 600 मेगावाट की इस 2500 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाली परियोजना से 240 मिलियन यूनिट प्रतिदिन ऊर्जा का उत्पादन होगा साथ ही प्रतिवर्ष 34 लाख टन कार्बन उत्सर्जन पर अंकुश लगेगा इस प्रकार पर्यावरण अनूकुल सस्ती एवं स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में जनपद का प्रदेश में प्रथम स्थान हो सकता है यदि इस परियोजना पर ग्राम समूह अमरौड़, नुनवई, धुरट, टिकरिया एवं लिधौरा ग्रामों के कृषक बंधुओं का समर्थन व सहमति यथाशीघ्र प्राप्त हो। इस अवसर पर वरिष्ठ कोषाधिकारी द्वारा सौर परियोजना के लाभ एवं क्षेत्र विकास पर विस्तृत वार्ता करते हुये कृषक बंधुओं के हितो का ध्यान रख जायेगा। कृषक चैपाल में अपर जिलाधिकारी जालौन द्वारा ग्राम समूह से आये कृषक बंधुओं से कृषक चैपाल में विस्तृत वार्ता कर कहा कि अल्ट्रा मेगा परियोजना की स्थापना से जनपद ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी होगा एवं क्षेत्र में औद्योगिक विकास के नये अवसर सृजित होगे तथा क्षेत्र के युवाओं को उनकी दक्षता के अनुसार बहुआयामी रोजगार के रास्ते खुलेंगे। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी उरई ने अल्ट्रा मेगा सौर परियोजना के लिये चिन्हित ग्राम समूह के कृषक बंधुओं को प्रेरित करते हुये कहा कि इस परियोजना के लगने से जनपद सौर ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश का प्रथम जनपद होगा।

हैण्ड पंम्प में करंट उतरने से महिला की दर्दनाक मौत

गोरखपुर/गुलरिहा क्षेत्र के सरहरी पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सभा करमौरा मे गुरुवार की शाम हैण्डपम्प मे उतरे करंट की चपेट मे आ जाने से एक 50 वर्षीय महिला की मौत हो गयी ग्रामीणो की सूचना पर पहुंची सरहरी पुलिस चौकी के सिपाही भी मौके पर पहुंच गए। गुलरिहा क्षेत्र के करमौरा गांव के लोहरा टोला निवासी किशोर निषाद सउदी मे रहते है घर पर दो पुत्र व बहू के साथ पत्नी मैना देवी (50) रहती हैं।बड़ा पुत्र रामकेश किसी काम से लखनऊं गया है तथा बहू मायके गयी है छोटा बेटा कमलेश गांगी बाजार स्थित एक कपड़े की दुकान पर काम करता है।गुरुवार को मैना देवी घर पर अकेले थी शाम करीब 5 बजे मैना देवी घर के सामने लगे हैण्डपम्प पर पानी लेने गयी हैण्डपम्प मे टुल्लू पम्प लगा होने से हैण्डपम्प मे करंट आ गया कुछ देर बाद आस पास के लोगों ने देखा तो शोर मचाया तथा बेटे के साथ पुलिस को सूचना दिए।

मनरेगा कन्वर्जन्स के अन्तर्गत निर्धारित परियोजनाओं के सापेक्ष तत्काल मस्टर रोल जारी करते हुए रोजगार उपलब्ध कराएं:सीडीओ

समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियन्ता को कारण बताओ नोटिस जारी करने का दिया निर्देश

बस्ती। सीडीओ सरनीत कौर ब्रोका ने निर्देश दिया है कि मनरेगा कन्वर्जन्स के अन्तर्गत निर्धारित परियोजनाओं के सापेक्ष तत्काल मस्टर रोल जारी करते हुए श्रमिको को रोजगार उपलब्ध कराये। अपने चेम्बर में आयोजित सिचाई विभाग के अन्तर्गत आने वाले विभागों के कार्यो की समीक्षा करते हुए उन्होने निर्देश दिया कि मनरेगा के अन्तर्गत प्रारम्भ किए गये कार्यो पर निर्धारित मानक/गुणवत्ता के बोर्ड अनिवार्य रूप से कार्य स्थल पर स्थापित कराये।

उन्होने निर्देश दिया कि स्वीकृत कार्यो पर प्रथम किश्त के रूप में जारी 40 प्रतिशत धनराशि का उपभोग प्रमाण पत्र प्रस्तुत करें ताकि दूसरी किश्त अवमुक्त की जा सकें। उन्होने समीक्षा में पाया कि लधु सिचाई विभाग ने 350 स्वीकृत कार्यो के सापेक्ष 185 कार्यो पर मस्टर रोल जारी किया है तथा 6361 श्रमिको को कार्य दिया है, 39 कार्यो का भुगतान भी कर दिया गया है। उन्होने समीक्षा में पाया कि नलकूप विभाग द्वारा 55 स्वीकृत कार्यो के सापेक्ष 39 कार्यो का 125 मस्टर रोल जारी कर दिया है। इसके द्वारा 4003 मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। सरयू नहर खण्ड-4 बस्ती द्वारा स्वीकृत 18 कार्यो के सापेक्ष 87 मस्टर रोल जारी किए गये है तथा 850 मजदूरों को काम दिया गया है। सरयू नहर खण्ड-अयोध्या द्वारा 05 स्वीकृत कार्यो के सापेक्ष 44 मस्टर रोल जारी करते हुए 387 मजदूरों को काम दिया गया है। सरयू नहर खण्ड-3 गोण्डा ने 06 स्वीकृत कार्यो पर 83 मस्टर रोल जारी करते हुए 762 मजदूरों को काम उपलब्ध कराया है। बाढ कार्य खण्ड प्रथम बस्ती ने 03 स्वीकृत कार्यो के सापेक्ष 57 मस्टर रोल जारी कराया है तथा 526 मजदूरों को काम दिया है। समीक्षा में उन्होने पाया कि सरयू डेऊनेज खण्ड सिद्धार्थ नगर ने 04 कार्य स्वीकृत कराया था परन्तु किसी कार्य पर न तो मस्टर रोल जारी हुआ है और न ही कोई काम शुरू हुआ है। इस पर सीडीओ ने असंतोष व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियन्ता को कारण बताओं नोटिस जारी करने का निर्देश दिया है। बैठक का संचालन उपायुक्त मनरेगा इन्द्रपाल सिंह ने किया। उन्होने बताया कि बाढ खण्ड द्वारा ब्लाक दुबौलिया में काशीपुर दुबौलिया तटबन्ध, बहादुरपुर में शैफाबाद कलवारी मार्जिनल तटबन्ध तथा कुदरहॉ ब्लाक में कलवारी रामपुर बॉध का सुदृढीकरण कराया जा रहा है। बैठक में अधिशासी अभियन्ता राकेश कुमार गौतम, लधु सिचाई से राजेश कुमार, नलकूप, सरयू नहर खण्ड अयोध्या, गोण्डा, सिद्धार्थ नगर तथा बाढ कार्य के अभियन्तागण उपस्थित रहें।

स्काउट गाइड पराली न जलाने के लिये आम जन को करेंगे जागरूक

बस्ती। प्रदेश स्तर पर हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में स्काउट गाइड को आम जन को जागरूक करने की अपेक्षा की गई, खास तौर पर देहात क्षेत्र में निवास करने वाले स्काउट गाइड के वालंटियर इस कार्य मे अपना महत्वपूर्ण योगदान देना होगा,यह जानकारी प्रमुख सचिव देवेश चतुर्वेदी के द्वारा दी गई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में सभी जिलों से एनआईसी के माध्यम से मीटिंग सम्पन्न हुई,जनपद बस्ती से स्काउट कमिश्नर शिव बहादुर सिंह, गाइड कमिश्नर नीलम सिंह, जिला सचिव डॉ. हरेंद्र प्रताप सिंह, सहायक प्रादेशिक संगठन कमिश्नर सुरेश प्रसाद तिवारी,जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट कुलदीप सिंह,जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड सत्या पाण्डेय,जिला संगठन कमिश्नर अमित कुमार शुक्ल आदि मौजूद रहे।

गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय मंत्री, सांसद हरीश द्विवेदी के जन्म दिन पर किया गरीबों में फल, मास्क का वितरण

बस्ती। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के 56 वें और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री एवं सांसद हरीश द्विवेदी के 47 वें जन्म दिन पर भाजपा मोदी विचार मंच के क्षेत्रीय महामंत्री गोरक्ष प्रान्त सच्चिदानन्द पाण्डेय के संयोजन में गुरूवार को सिविल लाइन तिराहा स्थित महाराणा प्रताप प्रतिमा स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाकर गरीबों में मास्क, फल, मिष्ठान आदि का वितरण किया गया।सच्चिदानन्द पाण्डेय ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जहां आतंकवाद पर नियंत्रण हुआ, धारा 370 समाप्त हुआ वहीं अयोध्या में श्रीराम मंदिर के भव्य मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। उनसे देश और पार्टी को बहुत अपेक्षायें हैं। कहा कि सांसद हरीश द्विवेदी ने अपने 6 वर्ष के कार्यकाल में विकास और जन संवाद का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। गरीबों में मास्क, फल, मिष्ठान वितरण में मुख्य रूप से गजेन्द्र सिंह, प्रशान्त सोनकर, प्रदीप तिवारी, राधेरमन तिवारी, अंकित, रीतेश पाल, दिनेश श्रीवास्तव, करूणाकर जायसवाल, निरंकार उपाध्याय, ललित आदि शामिल रहे।

पैसा लेकर लेखपाल ने खेत में गिराई जंजीर, पुलिस ने पहनाई हथकड़ी

गोरखपुर/ गगहा थाना क्षेत्र में धान की फसल कटने के बाद गेहूं की बुवाई और सीजर शुरू हो जाएगा। इसके पहले खेतों को लेकर चल रहे बंटवारे को समझाने के लिए लोग राजस्व और पुलिस की मदद लेने लगे हैं। इसका फायदा उठाने की कोशिश में कुछ लेखपाल लग गए हैं। मजिस्ट्रेट के आदेश को दरकिनार करके लोगों से पैमाइश के लिए रुपए मांगने की शिकायतें सामने आ रही हैं। गुरुवार को गगहा इलाके में खेतों की पैमाइश के पहले रुपए लेने पहुंचे लेखपाल को एंटी करप्शन की टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। लेखपाल के खिलाफ गगहा थाना में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

पैमाइश के लिए लेखपाल मांग रहा था पैसा

गगहा थाना क्षेत्र के मेहंदीया गांव निवासी कृष्ण मुरारी सिंह, श्याम सुंदर सिंह, लक्ष्मण सिंह, कृष्ण मोहन सिंह, और राम सिंह के भूमि की पैमाइश कराने के लिए दौड़ रहे थे। हल्का लेखपाल से पैरवी करने पर उसने कहा कि ढाई हजार रुपए लिए बिना वह खेत में कदम नहीं रखेंगे। लेखपाल से परेशान होकर सत्य प्रकाश सिंह ने 500 रूपए पेशगी के रूप में थे दिए। बाकी रकम खेत की नपाई होने के बाद देने को कहा। सत्य प्रकाश को पता था कि लेखपाल मनमानी करेगा। इसलिए उन्होंने इसकी सूचना 19 अक्टूबर 2020 को ही एंटी करप्शन गोरखपुर की टैप टीम को दे दी। गुरुवार को निर्धारित जगह पर टीम पहुंच गई।

खेत में रहे खड़े, रुपए लेते ही कर लिया गिरफ्तार

एंटी करप्शन टीम के प्रभारी निरीक्षक देव प्रकाश रावत, उप निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, चंद्रेश यादव, चंद्रभान मिश्रा, शैलेंद्र कुमार राय और शैलेंद्र कुमार सिंह मेहदराव पहुंचे। वहां सत्य प्रकाश सिंह का रिश्तेदार बनकर टीम के सदस्य जहां तहां घूमने लगे। दोपहर 12बजकर17मिनट पर लेखपाल प्रभु नाथ यादव आए। आते ही कहा कि बकाया रुपए दो हजार दोगे तब जंजीर गिरेगी। रुपए थामते ही खेतों में मौजूद टीम ने रंगे हाथ लेखपाल को पकड़ लिया। लेखपाल को लेकर एंटी करप्शन टीम गगहा थाने पर गई। वहां गगहा थाना इस्पेक्टर देव प्रकाश राव को तहरीर पुलिस ने एंटी करप्शन का मुकदमा दर्ज करके गिरफ्तार कर लिया।

प्रदेश सरकार ने विकास की लाइफ लाइन कही जाने वाली सड़कों का बिछाया जाल

सड़कों को विकास की जीवन रेखा कहा जाता है। क्योंकि यदि किसी क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करना है तो उस क्षेत्र में सड़क का निर्माण करा दिया जाय, तो उस क्षेत्र का विकास स्वतः हो जायेगा। उ0प्र0 के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जब प्रदेश की बागडोर संभाली थी तभी उन्होंने कहा था कि हम प्रत्येक बस्ती, गांव, ब्लाक एवं जनपद को इस तरह जोडेंगे कि किसी भी मरीज के अस्पताल जाने, छात्र-छात्राओं को स्कूल कालेज जाने, किसान को अपनी उपज बेचने मण्डी जाने, उद्योगों, व्यवसायों की स्थापना के लिए तथा आम नागरिकों को आवागमन की परेशानी नहीं होगी। अपने अब तक के कार्यकाल में मुख्यमंत्री जी ने गांवो, मजरों में सम्पर्क मार्गों का निर्माण कराकर सीधे मुख्यमार्गों से जोड़कर हर तरह के आवागमन को सुचारू और सुगम बना दिया है। वहीं प्रदेश में एक्सप्रेस-वे के निर्माण से देश के अन्य राज्यों से प्रदेश को जोड़कर औद्योगिक और व्यापारिक गति में तेजी लाई है। प्रदेश के लोक निर्माण विभाग द्वारा ग्रामीण सड़कों का निर्माण एवं ब्लॉक व तहसीलों के मार्गों को चैड़ीकरण करते हुए आवागमन को सुगम बनाया है। विभाग द्वारा नवीन सड़कों का निर्माण रखरखाव,

मरम्मत, चैड़ीकरण, नेशनल हाईवे की मरम्मत तथा रखरखाव, विभिन्न सेतुओं का निर्माण, सरकारी भवनों का निर्माण तथा रखरखाव आदि महत्वपूर्ण कार्य मानक एवं गुणवत्तापूर्ण किये जाते हैं। वर्ष 2001 एवं वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर 250 से अधिक आबादी के ग्रामों को सम्पर्क मार्गों से जोड़ने का कार्य प्रदेश सरकार ने तेजी से कराये हैं। इसके साथ ही खराब व टूटी सड़कों की मरम्मत कराकर गड्ढामुक्त किया गया है। प्रदेश सरकार ने अब तक हजारों राजस्व ग्रामों को सम्पर्क मार्गों से जोड़ते हुए 11259 किलोमीटर लम्बाई की ग्रामीण मार्गों का निर्माण कराया है तथा तहसीलों, विकासखण्डों के मार्गों को टू-लेन में बनाते हुए चैड़ीकरण कर 12600 किलोमीटर लम्बाई के मार्गों का चैड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण का कार्य कराया गया है। प्रतिभा एवं शिक्षा को प्रोत्साहन - प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेश में पहली बार प्रतिभा, शिक्षा एवं विकास का समावेश करते हुए हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करते हुए उनके निवास स्थल तक मार्ग का निर्माण/मरम्मत कर ''डा0 ए0पी0जे0 अब्दुल कलाम गौरव पथ'' के रूप में विकसित कर अभिनव योजना लागू की है। अब तक निर्गत बोर्ड परीक्षा परिणामों के आधार पर 210 मेधावी छात्रों के निवास तक सड़क बनायी जा रही है, जिसमें 108 सड़कें बन गई हैं। शेष निर्माणाधीन हैं। प्रदेश सरकार ने प्रदेश में पहली बार राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने हेतु खिलाड़ियों के निवास/ग्राम तक मार्ग का निर्माण कर ''मेजर ध्यान चंद विजय पथ'' के नाम से अभिनव योजना लागू की है। इस योजना के अन्तर्गत इस वर्ष 19 खिलाड़ियों के निवास/ग्रामों तक मार्ग का निर्माण किया जा रहा है। देश के बलिदानी शहीदों का सम्मान -देश की रक्षा करते हुए सीमा पर शहीद हुए बलिदानी शहीदों को सम्मान देते हुए उनके घर/गांव तक सड़क का निर्माण/मरम्मत करते हुए ''जय हिन्द वीर पथ'' योजना प्रदेश सरकार ने प्रारम्भ की है। प्रदेश में ऐसे शहीदों के नाम से उनके घर तक सर्वऋतु मार्ग निर्माण का कार्य किया जा रहा है, जो उनके बलिदान की शौर्यगाथा को दर्शाती रहेगी। प्रदेश में 39 शहीदों के घर तक सड़क बनाई जा रही है, जिसमें 17 सड़कें बन गई हैं, शेष निर्माणाधीन हैं। हर्बल मार्गों का विकास - प्रदेश में लोक निर्माण विभाग द्वारा सभी जनपदों के प्रत्येक खण्डों में एक-एक हर्बल मार्ग विकसित किया जा रहा है, जिनमें मार्गों के किनारे हर्बल पौधे रोपित किये जा रहे हैं। प्रदेश के 75 जनपदों के सभी 175 खण्डों में हर्बल मार्ग का चयन करते हुए 31253 हर्बल पौधे रोपित किये जा चुके हैं। अवशेष मार्गों पर पौधरोपण का कार्य चल रहा है। नवीन तकनीक व पर्यावरण संरक्षण - प्रदेश में मार्ग निर्माण की नवीनतम तकनीक देश एवं विदेशों में उपलब्ध नवीनतम मशीनों का बड़े पैमाने पर प्रयोग करने हेतु लखनऊ में कांफ्रेंस का आयोजन किया, जिसमें देश के प्रतिष्ठित संस्थानों आई.आई.टी. कानपुर, दिल्ली, खड़गपुर, मुम्बई, रूड़की, वाराणसी, केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान दिल्ली के निदेशक, वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ सहित जर्मनी एवं ब्रिटेन के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभाग करते हुए नई तकनीक के विषय में विस्तृत रूप से अवगत कराया गया। सड़कों के निर्माण में नवीन तकनीक का प्रयोग किया गया, जिसमें लागत और सामग्री की खपत में 20 से 25 प्रतिशत सामग्री की कमी आयी। नवीन तकनीक के प्रयोग से लगभग 1200 करोड़ रुपये की बचत एवं 15.4 लाख टन कार्बन उत्सर्जन की बचत हुई तथा पर्यावरण संरक्षण को भी भरपूर सहयोग मिला। प्रदेश में पर्यावरण की सुरक्षा के लिए ''सिंगल यूज़ वेस्ट प्लास्टिक'' का उपयोग कर नवीन तकनीक से प्लास्टिक की सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। प्रदेश में अब तक 91.69 किलोमीटर तथा 18.91 करोड़ रुपये की लागत की 72 प्लास्टिक मार्गों के निर्माण/नवीनीकरण के कार्य कराये जा रहे हैं, जिनमें 22 सड़कों का निर्माण हो चुका है।

दिलचस्प मुकाम पर अमेरिकी चुनाव

कोरोना ने दुनिया को धीमा कर दिया है. चाहे यात्राएं हों या आम जीवन, सब कुछ धीमी गति से चल रहा है और यही हाल होनेवाला है अमेरिकी चुनाव के परिणामों का भी. इस बार के चुनाव परिणाम पूर्व के चुनाव परिणामों से इस मायने में अलग होनेवाले हैं कि तीन नवंबर की देर शाम तक स्पष्ट परिणाम आने की संभावना नगण्य बतायी जा रही है।

ऐसा होने की वजह होगी पोस्टल बैलेट. कोरोना के कारण अमेरिका में पहली बार बड़ी संख्या में लोग पोस्ट के जरिये मतदान कर रहे हैं. अभी तक कम-से-कम 50 लाख मतदाता पोस्टल बैलेट के जरिये वोट डाल चुके हैं. अमेरिका में चुनाव के लिए मतदान भले ही तीन नवंबर को होना है, लेकिन वोटिंग की प्रक्रिया शुरू है. लोग पोस्टल बैलेट के जरिये वोट डाल रहे हैं. साथ ही अमेरिका के अलग-अलग राज्यों में नियम है कि वे वोटिंग के दिन से पहले भी जाकर वोट डाल सकते हैं. मसलन, मैं जिस राज्य में रहता हूं, वहां तीन नवंबर से छह हफ्ते पहले वोट डाले जा सकते हैं. अमेरिका के कई राज्यों में वोटिंग के दिन कोई राष्ट्रीय अवकाश भी नहीं होता है.वोट पहले भले ही डाले जाते हों, लेकिन मतगणना की प्रक्रिया हर राज्य में अलग-अलग है. तीन नवंबर को जब वोटिंग के बाद मतगणना शुरू होगी, तो इस बार कई मसले होंगे. सबसे बड़ा मसला इस बार यही होगा कि पोस्ट बैलेट की संख्या पहले के चुनावों की तुलना में बहुत अधिक होगी. अनुमानों के अनुसार, बताया जा रहा है कि आधे से अधिक मतदाता पोस्ट बैलेट से वोट दे रहे हैं. अगर ये अनुमान सही होगा, तो वोटिंग की गणना में हफ्ते भर से अधिक का समय लग सकता है. साथ ही ये पता चलना कि चुनाव में आगे कौन है, इसे समझने में भी कई दिन लग सकते हैं. ऐसा इसलिए भी होगा, क्योंकि कई राज्यों में पोस्टल बैलेट भले ही आ चुके हों, लेकिन उन्हें खोलने पर भी रोक है. यानी कि तीन नवंबर को मतगणना का समय समाप्त होने के बाद ही इन राज्यों में लाखों की संख्या में डाले गये पोस्टल बैलेट खोले जा सकेंगे. कुछ राज्यों में पोस्टल बैलेट चुनाव के दिन से पहले खोलकर गिनती कर लेने का नियम है, लेकिन इसकी जानकारी मतगणना के समय ही दी जाती है. यानी आम तौर पर मतगणना के दिन हम जो शुरुआती रुझान देखते हैं, वह असल में उन पोस्टल बैलेट के वोट होते हैं, जो चुनाव वाले दिन से पहले ही काउंट हो चुके होते हैं. लेकिन, मतगणना के आखिरी समय में उन पोस्टल वोटों का नंबर आता है, जो उन राज्यों के होते हैं जहां पोस्टल बैलेट मतगणना के दिन ही खोले जाते हैं. वर्ष 2000 के चुनावों में फ्लोरिडा के गवर्नर को शुरुआती रुझानों में बढ़त मिली थी, लेकिन जब पोस्टल बैलेटों की गिनती होने लगी, तो वे पिछड़ने लगे. ऐसा होते ही उन्होंने कहा कि ये फ्रॉड है और धोखाधड़ी हो रही है. मामला आगे बढ़ा और सुप्रीम कोर्ट तक गया. अब आप समझिए कि यही हालत राष्ट्रपति चुनावों के दौरान भी हो सकती है, जहां शुरुआत में किसी एक उम्मीदवार को बढ़त मिल रही हो और आखिरी तक आते-आते दूसरा कोई उम्मीदवार जीत जाये. यहां के चुनावों में इस बात की पूरी संभावना बनी रहती है. विशेषज्ञों के अनुसार, इस तरह की देरी तो मतगणना के दौरान जब होगी तब होगी, लेकिन उससे पहले ही इसकी आशंका को कई तरह की कांस्पिरेसी थ्योरी से बढ़ावा दिया जा रहा है. अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने खुलेआम कहा है कि पोस्टल बैलेट में धांधली की आशंका है, जबकि धांधली क्या और कैसी होगी, ये वह कभी खुल कर बता नहीं पाये हैं. जानकारों का मानना हैं कि चूंकि लोगों को अब ये आदत नहीं रही कि वो लंबे समय तक चुनाव परिणाम के लिए इंतजार करें, तो मतगणना वाले दिन और उसके बाद नयी कांस्पिरेसी थ्योरियां आ सकती हैं. सोशल मीडिया के जमाने में कोई भी अफ्वाह बड़ा रूप ले सकती है और उसके बाद क्या होगा, उसे नियंत्रण में रखना भी मुश्किल काम हो सकता है. इन आशंकाओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के दोनों उम्मीदवार गुरुवार को आखिरी बहस करेंगे. इस बार होनेवाली तीन बहसों में एक बहस को राष्ट्रपति ट्रंप के कोरोना के कारण रद्द करना पड़ा था. पिछली बहस के मद्देनजर इस बार बहस की कुछ शर्तें बदली भी गयी हैं, जिसमें सबसे बड़ा बदलाव यही है कि बहस के विभिन्न मुद्दों पर जब एक उम्मीदवार अपनी बात दो मिनट के लिए रख रहा होगा, तो दूसरे उम्मीदवार का माइक बंद कर दिया जायेगा. ऐसा करने की सबसे बड़ी वजह यही बतायी जा रही है कि पिछली बहस में राष्ट्रपति ट्रंप ने बार-बार बाइडेन को टिप्पणी के दौरान टोका था. फिलहाल, राष्ट्रपति चुनावों में दो हफ्ते से भी कम का समय रह गया है और दोनों ही उम्मीदवार एड़ी-चोटी का जोर लगाये हुए हैं. फिलहाल, सारे चुनाव सर्वेक्षणों में जो बाइडेन को बढ़त मिली हुई है, लेकिन ये बढ़त अजेय नहीं है. सात से आठ प्रतिशत की इस बढ़त को अचानक अपने करिश्मे से पलटने की क्षमता रखने वाले ट्रंप ने पिछले चुनावों में आखिरी के दिनों में पासा पलट दिया था.

यही कारण है कि विशेषज्ञ अभी भी बाइडेन को स्पष्ट रूप से विजेता नहीं मान रहे हैं और न ही बाइडेन की टीम प्रचार में किसी भी तरह की ढील दे रही है. अंतिम हफ्तों में बाइडेन की तरफ से प्रचार करने वालों में बराक ओबामा प्रमुख हैं. उनके साथ उनकी पत्नी मिशेल ओबामा भी बाइडेन के समर्थन में लगातार बोल रही हैं. दूसरी तरफ ट्रंप का आत्मविश्वास पहली बार थोड़ा सा डगमगाया-सा लग रहा है, जब उन्होंने पिछले दिनों एक भाषण में मजाक में ही सही ये कहा कि अगर बाइडेन जीते, तो उन्हें यानी ट्रंप को देश छोड़ना पड़ेगा क्योंकि बाइडेन से हारना उनके लिए शर्मनाक होगा।

सम्पादकीय

छोटे शहरों के बच्चों की बड़ी छलांग

पिछले दिनों नीट- 2020 परीक्षा के नतीजे आये. नतीजों से पता चलता है कि अब देश के छोटे शहरों और अपेक्षाकृत कम विकसित राज्यों के बच्चे लंबी छलांग लगा रहे हैं. नीट परीक्षा में दो विद्यार्थियों ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिये. ओडिशा के शोएब आफ्ताब और उत्तर प्रदेश के कुशीनगर की आकांक्षा सिंह ने 720 में से 720 अंक हासिल किये. यह महज उदाहरण है कि सफलता महानगर, बड़े या कुछ चुने हुए शहरों की बपौती नहीं है. छोटे तथा मझोले शहरों के युवा भी अब किसी से कमतर नहीं हैं. वे भी आगे बढ़ रहे हैं. उनके भी सपने हैं जिन्हें पूरा करने के लिए उनमें जबरदस्त जुनून है और कुछ कर गुजरने की प्यास भी. बहुत पुरानी बात नहीं हैं जब दिल्ली, मुंबई और कुछ दूसरे बड़े शहरों के चंद एलिट स्कूलों तथा कॉलेजों के विद्यार्थी ही संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) तथा दूसरी खास परीक्षाओं में टॉप किया करते थे. वर्ष 2020 के यूपीएससी के परिणाम भी बहुत कुछ कहते हैं. इस परीक्षा में सोनीपत, हरियाणा के प्रदीप सिंह ने टॉप किया है. तीसरे स्थान पर सुल्तानपुर, यूपी की प्रतिभा वर्मा हैं. पहले 25 स्थानों पर रहने वाले सफल परीक्षार्थी 11 राज्यों- दिल्ली, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल तथा उत्तर प्रदेश से हैं. यानी सफलता अब महानगरों या कुछ राज्यों के बच्चों तक ही सीमित नहीं रही है. आफ्ताब और आंकाक्षा जैसे सैकड़ों नौजवान तमाम दिक्कतों और अवरोधों को पार कर सफलता की बुलंदियों को छू रहे हैं. इनमें अर्जुन-सी दृष्टि है. ये जो भी सोचते हैं, उसे पूरा करने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक देते हैं. मेट्रो शहरों के बच्चों के विपरीत इन्हें अपने स्कूलों-कॉलेजों का सफर पूरा करने में घंटों नहीं लगते. यानी, मेट्रो या दूसरे बड़े शहरों के बच्चों की तुलना में इनके पास पढ़ने के लिए ज्यादा वक्त होता है. बेहतर अवसर मिलने का परिणाम यह हो रहा है कि वाल्मीकि समाज से आनेवाली डॉ कौशल पंवार जैसी मेधावी लड़कियां भी दिल्ली विश्वविद्यालय में संस्कृत पढ़ा रही हैं. हरियाणा के कैथल के निर्धन वाल्मीकि परिवार से आनेवाली डॉ कौशल कहती हैं कि यदि आप लक्ष्य निर्धारित कर लें, तो सफलता अवश्य मिलेगी. केवल पढ़ाई ही नहीं बल्कि बिजनेस, सिनेमा और खेल में भी छोटे और मंझोले शहरों के बच्चे आगे आ रहे हैं. हो सकता है आपने फ्लिपकार्ट से कुछ सामान मंगवाया हो, पर क्या आपको पता है कि इसे चंडीगढ़ के सचिन बंसल और बिन्नी बंसल ने शुरू किया था. ये भारत की समूची स्टार्टअप बिरादरी के रोलमॉडल रहे हैं. हालांकि अब ये अपनी फर्म को अमेजन को बेच चुके हैं. गुजरे कुछ वर्षों में आयुष्मान खुराना (चंडीगढ़), कपिल शर्मा (अमृतसर), प्रसून जोशी (अल्मोड़ा), महेंद्र सिंह धोनी (रांची), नवाजुद्दीन सिद्दीकी (मुजफ्फरनगर), रानी रामपाल (शाहबाद मारकंडा) समेत बीसियों छोटे और मझोले शहरों से संबंध रखने वाले नौजवानों ने बुलंदियों को छुआ है. खेलों की बात करें तो पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर के नौजवान सफलता की नयी इबारत लिख रहे हैं. मैरी कॉम (मुक्केबाजी), मीराबाई चानू व संजीता चानू (भारोत्तोलन) देश-विदेश में उम्दा प्रदर्शन कर रही हैं. क्रिकेट से इतर खेलों जैसे फुटबॉल, मुक्केबाजी, हॉकी, वेटलिफ्टिंग में मणिपुर के खिलाड़ी देश को झोली भरकर पदक दिलवा रहे हैं. कुछ वर्ष पहले भारत में खेली गयी फीफा अंडर-17 विश्वकप फुटबॉल चौंपियनशिप में 21 सदस्यीय भारतीय टीम में मणिपुर के आठ खिलाड़ी शामिल थे. ये सभी खिलाड़ी गरीब परिवारों से थे. इनमें से कइयों के माता-पिता के पास जूते खरीदने तक के पैसे नहीं थे. निर्धनता के बावजूद ये प्रतिभाशाली किशोर भारतीय टीम में जगह बना पाये. निश्चित रूप से रंग-बिरंगे फूलों वाले पौधों, दुर्लभ वनस्पतियों और हमेशा बहने वाली नदियों वाला मणिपुर खेल में देश के बाकी राज्यों के सामने उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है. आप मेरठ से लेकर ग्वालियर और बोकारो से लेकर धनबाद, पटना तक हो आइए, सभी जगह सुबह-शाम लड़के-लड़कियों को बैग उठाकर कॉलेज या कोचिंग सेंटरों में जाते हुए देखेंगे. इनके बीच बातें हो रही होती हैं आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं की, नयी किताबों की. सबसे खास बात, ये युवा अपने लक्ष्य को लेकर पूरी तरह केंद्रित हैं. इनके भीतर सफल होने की जिद है, आप देखेंगे कि आर्थिक उदारीकरण के बाद कोच्चि से लेकर सांगली तक में आर्थिक हलचल बढ़ी है. रोजगार के लिए यहां से लोग खाड़ी देशों और फिर यूरोप जाने लगे. वहां से कमाकर वे अपने घर पैसे भेजने लगे. इसके चलते छोटे-मझोले शहरों में पैसा पहुंचने लगा. वहां कोचिंग सेंटर खुलने लगे. इससे वहां के नौजवानों को अपनी मंजिल को पाने के रास्ते मिलने लगे. एक बार भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने कहा था कि यदि वे छोटे शहर से ना होतीं तो शायद उनके भीतर कुछ कर गुजरने का इस तरह का जज्बा न होता।

चालू खाते में लाभ का भ्रम

वर्तमान समय में देश के आयात कम और निर्यात अधिक हैं। आयात और निर्यात के अंतर को व्यापार खाता कहा जाता है। आयात कम और निर्यात अधिक होने से हमें व्यापार खाते में लाभ हुआ है। यह लाभ हमने 13 वर्षों के बाद अर्जित किया है जो कि खुशी का विषय है। इसके साथ ही हमें बाहर से निवेश मिल रहा है और अपने देश के कुछ उद्यमी दूसरे देशों में निवेश भी कर रहे हैं। आयात, निर्यात तथा आने और जाने वाले निवेशकृचारों माध्यम से जो विदेशी मुद्रा का आवागमन होता हैकृउसके योग को चालू खाता कहा जाता है। आयात कम और निर्यात अधिक होने से और निवेश लगभग पूर्ववत रहने से व्यापार खाते में लाभ के साथ-साथ हमारा चालू खाता भी लाभ में हो गया है। वर्ष 2018-19 की पहली तिमाही में हमें चालू खाते में 15 अरब डालर का घाटा हुआ था जो वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में 20 अरब डालर के लाभ में परिवर्तित हो गया है। यह खुशी की बात है। इसके साथ ही यह भी शुभ संकेत है कि हमारे निर्यातों में सेवा क्षेत्र ने कोविड के संकट के दौरान मामूली बढ़त हासिल की है जो कि इस क्षेत्र में हमारी सुदृढ़ता का द्योतक है। हमारे सामने चुनौती है कि चालू खाते के इस लाभ को टिकाऊ बनाएं। लेकिन यह कार्य अति दुष्कर दिखता है क्योंकि अर्थव्यवस्था की अंदरूनी स्थिति अच्छी नहीं है। हमारा चालू घाटे में लाभ उसी प्रकार है जैसे कोई व्यक्ति बीमार हो जाए और भोजन कम करे तो कहा जाए कि उसका श्भोजन खाताश् लाभ में हो गया है। हमारी कमजोरी का पहला संकेत रुपये का मूल्य है। सामान्य रूप से जब किसी देश का चालू घाटा लाभ में होता है तो इस अर्थ होता है कि 1. आयात कम और निर्यात ज्यादा हैंय 2. जाने वाला निवेश कम और आने वाला निवेश ज्यादा हैय तथा 3. दोनों माध्यम से बाहर जाने वाले डॉलर की रकम कम और आने वाले डॉलर की रकम अधिक है। डालर कम मात्रा में जाने एवं अधिक मात्रा में आने से हमारे विदेशी मुद्रा बाजार में डॉलर की उपलब्धता बढ़नी चाहिए थी और डालर के दाम गिरने चाहिए थे जैसे मंडी में आलू की आवक ज्यादा हो तो दाम गिर जाते हैं। लेकिन इस समय हो रहा है इसके विपरीत। सितम्बर 2019 में एक डालर का दाम 72 रुपये था जो कि सितम्बर 2020 में बढ़कर 73 रुपये हो गया था।

यद्यपि डॉलर के दाम में यह वृद्धि मामूली है लेकिन डॉलर का दाम तो घटना चाहिए था। तब माना जाता कि डॉलर कमजोर और रुपया सुदृढ़ हो रहा है। अतरू प्रश्न है कि जब हमारा चालू खाता लाभ में है तो डॉलर का दाम घटने के स्थान पर बढ़ क्यों रहा है? एक डालर जो पिछले वर्ष 72 रुपये में उपलब्ध था वह आज 70 रुपये में उपलब्ध होने के स्थान पर 73 रुपये में क्यों उपलब्ध हो रहा है? इसका कारण यह दिखता है कि विश्व के निवेशकों को भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास नहीं है। जैसे यदि आने वाली आलू की फसल अच्छी हो तो व्यापारी समझते हैं कि आने वाले समय में आलू के दाम गिरेंगे। ऐसे में आज मंडी में आलू की सप्लाई कम हो तो भी दाम बढ़ने के स्थान पर गिर जाते हैं।

व्यापारियों को समझ आ जाता है कि आज महंगे आलू खरीदने का कोई औचित्य नहीं है क्योंकि आने वाले समय में आलू सस्ता मिल जाएगा। इसी प्रकार यद्यपि आज हमारा चालू खाता लाभ में है, आज डालर भारी मात्रा में आ रहे हैं लेकिन फिर भी डॉलर का दाम बढ़ रहा है। निवेशकों का आकलन है कि डालर की यह आवक स्थायी नहीं होगी और शीघ्र भारत को डालर मिलना कम हो जायेंगे। इसलिए हमारी मुद्रा बाजार में डालर प्रचुर मात्र में उपलब्ध होने के बावजूद उसका दाम घटने के स्थान पर बढ़ता जा रहा है। मूल बात यह है कि विश्व के निवेशकों को भारतीय अर्थव्यवस्था पर इस समय विश्वास नहीं है। दूसरा संकट यह है कि यद्यपि हमारे आयात की तुलना में निर्यात अधिक हैं लेकिन ये निर्यात कच्चे माल के अधिक और उत्पादित माल के कम हैं। जून 2019 की तुलना में जून 2020 में हमारे लौह खनिज के निर्यात में 63 प्रतिशत की वृद्धि हुई और चावल के निर्यात में 33 प्रतिशत की। इसके सामने उत्पादित माल जैसे जूलरी के निर्यात में 50 प्रतिशत की गिरावट आई, चमड़ा उत्पादों के निर्यात में 40 प्रतिशत की गिरावट आई और कपड़े के निर्यात में 35 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसका अर्थ यह हुआ कि हमारा मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र कमजोर पड़ रहा है। दूसरे देश हमसे लौह खनिज कच्चे माल के रूप में खरीदकर उससे तैयार माल बना कर बेच रहे हैं जबकि हम स्वयं अपने ही खनिज से उसी माल को बना कर नहीं बेच पा रहे हैं। हमारा सपना है कि देश को मैन्युफैक्चरिंग हब बनायें लेकिन परिस्थिति इसके ठीक विपरीत बढ़ रही है। हमारा मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र दबाव में आ रहा है। इन दोनों कारणों से वर्तमान में हमारे चालू घाटे में लाभ के टिकाऊ होने की संभावना नहीं के बराबर है। इस परिस्थिति में सरकार को तीन कदम उठाने चाहिए। पहला कि सेवा क्षेत्र में जो हमारे निर्यातों की सुदृढ़ता है इसको कायम रखने के लिए अपनी शिक्षा व्यवस्था में अंग्रेजी कोप्राथमिक स्तर से ही अनिवार्य बना देना चाहिए। अपनी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए स्थानीय भाषा का और आधुनिक जगत में रोजगार के लिए अंग्रेजी भाषा दोनों को साथ-साथ लेकर चलना चाहिए जिससे हमारे युवा सेवा क्षेत्र में आगे बढ़ सकें। दूसरा, सरकार को आधुनिक तकनीकों को खरीदने के लिए देश के उद्यमियों को सब्सीडी देनी चाहिए। हमारी उत्पादन लागत कम करने के लिए यह जरूरी है कि हम आधुनिकतम तकनीकों का उपयोग करें लेकिन उद्यमियों के पास इन तकनीकों को हासिल करने के की क्षमता नहीं होती है इसलिए सरकार को उन्हें मदद करनी चाहिए जिससे कि हम उत्पादित माल आधुनिक तकनीकों से सस्ता बना सकें। तीसरा, स्थानीय स्तर पर नौकरशाही द्वारा उद्योगों की वसूली पर लगाम लगाने के प्रयास करने चाहिए।

आत्मनिर्भर भारत का सारथी बनेगा आत्मनिर्भर बिहार

'आत्मनिर्भर बिहार' एक नारा नहीं बल्कि भविष्य के बिहार की परिकल्पना है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने देश के सामने जिस आत्मनिर्भर भारत की सोच रखी है, उसको साकार करने के लिए यह बेहद जरूरी है कि एक नयी ऊर्जा के साथ, उन बड़े राज्यों में पहल की जाए, जिनमें उस तरीके से विकास नहीं हो पाया, जिसका वह हकदार था. देश की 11 फीसदी जनता बिहार वासी है. ऐसे में आत्मनिर्भर भारत अभियान का आगाज बिहार से होना-स्वाभाविक भी है और न्यायसंगत भी. भाजपा का 'आत्मनिर्भर बिहार - संकल्प पत्र, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा बिहार को दी जा रही प्राथमिकता का सूचक है. बिहार की जनता ने 45 साल, कांग्रेस शासन में सौतेला व्यवहार देखा है. राजद सरकार का भ्रष्टाचार, आतंक और जातिवाद की राजनीति के चरम सीमा को भी झेला है. सही मायने में, 2005 के बाद ही विकास बिहार की राजनीति के एजेंडे का केंद्र बना. और इसका परिणाम साफहै, 2005 में बिहार राज्य की जीडीपी मात्र 77,000 करोड़ की थी. आज (वितीय वर्ष 20-21 अनुमानित) 6 लाख 85 हजार करोड़ की है. 15 वर्षों में 10 गुणा. 2005 में कृषि विकास दर 2.35ः था, 2020 में 8.5ः है. गैर कृषि विकास दर 3.9ः था, अब 12.2ः है. 12 फीसदी जीडीपी ग्रोथ दर के साथ, बिहार आज देश का सबसे तेज बढ़ता हुआ राज्य है.

भाजपा का 2020 के विधानसभा चुनाव के लिए बना संकल्प पत्र चुनावी वायदा भर नहीं, मजबूती के साथ बढ़ते आज के बिहार को और अधिक मजबूती देने का एक रोड मैप है. जिसे साकार करने के लिए सर्व समाज के विकास की सोच के साथ 5 सूत्र के आधार पर तैयार किया गया है. और इन 5 सूत्रों के अंतर्गत, 19 लाख रोजगार स्वरोजगार सृजन एवं 1 करोड़ गरीब महिलाओं को उध्यमशीलता से जोड़कर स्वावलंबी बनाने लिए 11 स्पष्ट प्रोग्राम निर्धारित किए गए हैं .पहला सूत्र कृषि और किसान समृद्धि. बिहार में 55 फीसदी आबादी कृषि, मत्स्य एवं पशुपालन से जुड़ी है. इसलिए किसान भाइयों के एजेंडे को सबसे उपर रखा गया है. हर खेत तक बिजली से लेकर एमएसपी खद्गीद का विस्तार कर दलहन शामिल करने तक. किसान क्रेडिट कार्ड द्वारा ब्याज मुक्त ऋण से ले कर 1000 एफपीओ की संरचना से किसान भाइयों को तकनीकी सहयोग, बाजार पहुच और उपज का सही दाम दिलाने तक. मतस्यजीवियों से पशुपालक भाइयों के लिए कोल्ड चौन विकास में निवेश से ले कर, डेयरी प्रॉसेसिंग में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने वाली इन्सेंटिव स्कीम तक. कृषि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की योजना सोची गयी है. लक्ष्य स्पष्ट है-किसान भाइयों की समस्याओं का निदान, बिहार को ऐग्रो सेक्टर लीडर बनाना और किसानों की आय दोगुनी करना.दूसरा सूत्र उद्योग का विकास, युवाओं के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर. बिहार की 60 फीसदी आबादी 35 साल के कम की है. ऐसे में बिहार के युवा को सरकारी नौकरी के साथ-साथ, निजी क्षेत्र और उद्यमशीलता के लिहाज से तैयार करने की योजनाए रखी हैं. 5 उद्योगों पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बनी है. फूड प्रॉसेसिंग, डेयरी प्रॉडक्ट्स, फिशरी एक्सपोर्ट्स, आईटीध् बीपीओ और टुरिज्म. इन क्षेत्रों की बड़ी कम्पनियों को टार्गेट कर बिहार में निवेश को इन्सेंटिव देने की विस्तृत योजना बनाई गयी है. लक्ष्य है कि बिहार के यूवाओं को बिहार में ही रोजगार का भरपूर अवसर मिल सकें. उद्यमशीलयता को प्रोत्साहन देने के लिए 10,000 करोड़ के डैड ऋण अनुदानित दरों पर उपलब्ध कराया जाएगा. महिलाओं को स्वावलंबी बनाने के लिए 1 करोड़ बहनों को माइक्रो फाइनेन्स से जोड़ कर 50,000 करोड़ के ऋण सुविधा को सुनिश्चित करने का संकल्प है. तीसरा सूत्र ग्रामीण विकास, व्यवस्थित शहर. बिहार में 85ः फीसदी आबादी गांवों में रहती है, इसलिए गांव तक पक्की सड़क और नाली - गली की व्यवस्था से आगे बढ़ते हुए, अब हर गांव तक सोलर लाइट, वेस्ट मैनज्मेंट, 4ळ हाई स्पीड इन्टरनेट पहुँचाने का प्लान सुनिश्चित किया गया है. 30 लाख गरीब परिवारी को अपना घर और हर गांव को आस पास के गांव से सीधे जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है. चौथा सूत्र शिक्षा में गुणवत्ता पर जोर. बिहार की 37 फीसदी से ज्यादा आबादी 14 वर्ष से कम की है. बिहार की आने वाली पीढ़ियां, बिहार ही नहीं, देश के भविष्य की अगवाई करेंगी. ऐसे में टेक्निकल एजुकेशन पर ध्यान अति आवश्यक है. सभी सरकारी स्कूलों में ई लर्निंग और स्मार्ट क्लास की व्यवस्था से ले कर मिडल स्कूल में कम्प्यूटर शिक्षा और प्रयोगशाला तक और हाई स्कूल एनरोलमेंट को प्रोत्साहित करने के लिए हर हाई स्कूल विद्यार्थी को मुफ्त टैब. कोटा के तर्ज पर कोचिंग हब और हर जिले में आईटी, मेडिकल, नर्सिंग व तकनीकी शिक्षा का विस्तार करने की योजना बनाई गयी है.पांचवा सूत्र स्वास्थ्य क्षेत्र में मॉडल राज्य बनने का बड़ा लक्ष्य. कोरोना काल में स्वास्थ्य क्षेत्र की अहमियत का अहसास पूरी दुनिया को हुआ है. ऐसे में 10,000 डॉक्टर समेत 1 लाख स्वास्थ कर्मियों की नियुक्ति से ले कर, हर बिहार वासी को निशुल्क कोरोना टीकाकरण करवाने की सोच रखी गयी है. पीएचसी और जिला अस्पतालों के नवीनीकरण से ले कर, 6 करोड़ गरीब जनता को 5 लाख का स्वास्थ बीमा एवं जन औषधि केंद्र के माध्यम से दवाइयां सस्ते दरों पर उपलब्ध कराने जैसी योजना बनाने की सोच रखी है.2020 के विधान सभा चुनाव में एक तरफ नीयत, नीति और नेतृत्व है - जो जांचा परखा है. तो दूसरी तरफ अनुभव का अभाव, हवाबाजी और विश्वसनीयता की कमी. जिसने अपनी पढ़ाई 10वीं से पहले छोड़ दी हो, जीवन में एक दिन भी मेहनत की कमाई अर्जित ना किया हो, कभी एक रुपये का टैक्स नहीं भरा हो, ऐसे तेजस्वी यादव, वायदे तो बहुत कर रहे हैं पर उन्होंने वायदे पूरे करने की रणनीति पर चुप्पी साध रखी है. बात साफहै - उनके पास बिहार के विकास का स्पष्ट प्लान नहीं है. चुनावी मौसम में खोखले वायदों की झड़ी लगा रखी है. यह बिहार की जनता का दुर्भाग्य है और विपक्ष में नेतृत्व की शून्यता का प्रतीक. भाजपा के आत्मनिर्भर बिहार रोडमैप में 2025 तक बिहार की जीडीपी को 6.5 लाख करोड़ से 13 लाख करोड़ तक ले जाने और प्रति व्यक्ति जीडीपी को 45-47 हजार रु. से बढ़ाकर 1 लाख रु. तक पहुंचाने का बड़ा लक्ष्य सम्भव है. मोदी-नीतीश की जांची-परखी टीम पर जनता का भरोसा है. भारत के संदर्भ में हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी का यह कथन-÷भारत की कहानी आज मजबूत है, कल और भी मजबूत होगी. बिहार के संदर्भ में भी सटीक है क्योंकि बिहार की स्थिति आज मजबूत है और आने वाले समय में एनडीए सरकार के संरक्षण में और भी मजबूत होगी.

बल्लेबाजी में हमारे खिलाड़ी हावी, गेंदबाजी में विदेशियों का जलवा

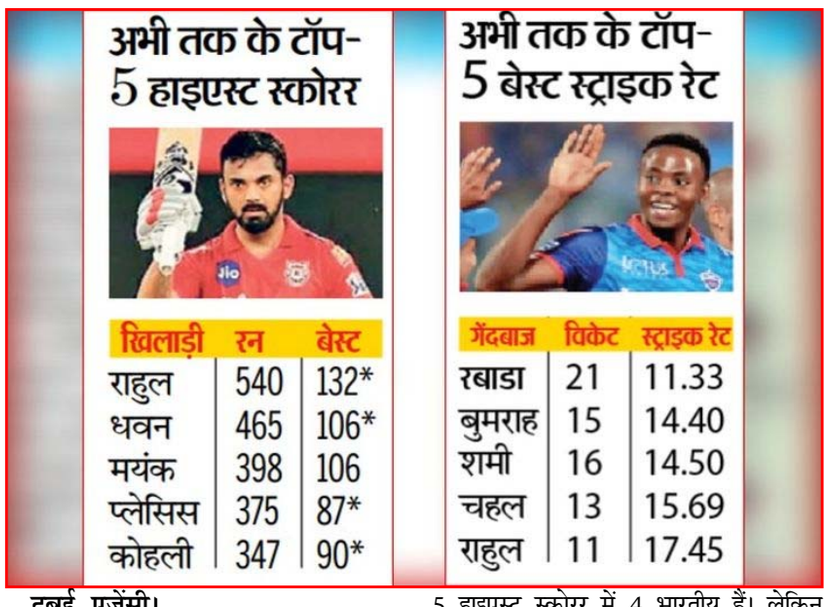

अभी तक के टॉप-5 हाइएस्ट स्कोरर

खिलाड़ी	रन	बेस्ट
राहुल	540	132*
धवन	465	106*
मयंक	398	106
प्लेसिस	375	87*
कोहली	347	90*

अभी तक के टॉप-5 बेस्ट स्ट्राइक रेट

गेंदबाज	विकेट	स्ट्राइक रेट
रबाडा	21	11.33
बुमराह	15	14.40
शमी	16	14.50
चहल	13	15.69
राहुल	11	17.45

दुबई, एजेंसी।

लगभग दो तिहाई मुकाबले खत्म हो चुके हैं। अब तक 14 बार 80+ का स्कोर बना है।? इसमें से 11 बार भारतीय खिलाड़ियों ने ऐसा किया है। यानी 79 फीसदी। मंगलवार तक लीग में 38 मैच हुए, जिनमें 4 शतक लगे हैं। ये सभी भारतीयों के नाम हैं। वहीं, लीग के टॉप-5 हाइएस्ट स्कोरर में 4 भारतीय हैं। लेकिन गेंदबाजी में विदेशी खिलाड़ी हावी हैं। रबाडा हर 12वीं गेंद पर एक विकेट ले रहे हैं।

मयंक-धवन ने दो-दो बार 80+ स्कोर किया, चारों शतक ओपनरों ने लगाए

धवन-मयंक ने दो बार 80+ की पारी खेली। ईशान, बेयरस्टो, कोहली, श्रेयस, प्लेसिस, सैमसन, वॉटसन, राहुल त्रिपाठी, रोहित ने एक-एक बार ऐसा किया है। 200+ रन बनाने वाले खिलाड़ियों के स्ट्राइक रेट में पोलार्ड टॉप पर हैं। उन्होंने 200 के स्ट्राइक रेट से 208 रन बनाए हैं। डिविलियर्स (190) दूसरे पर हैं।

टॉप-5 बेस्ट गेंदबाजी प्रदर्शन में चार विदेशी, विकेट-स्ट्राइक में रबाडा टॉप पर

गेंदबाजों के टॉप-5 बेस्ट प्रदर्शन में 4 विदेशी हैं। बुमराह, रबाडा, मॉरिस ने 4-4 विकेट लिए हैं। चौथे-पांचवें पर राशिद हैं। उन्होंने 2 बार 3-3 विकेट लिए। चहल-शमी ने 2-2 बार 3 विकेट लिए हैं। 10+ विकेट लेने वाले गेंदबाजों के स्ट्राइक रेट की बात करें तो रबाडा ने 11.3 के स्ट्राइक रेट से 21 विकेट लिए हैं।

डू प्लेसिस 10 कैच लेने वाले एकमात्र खिलाड़ी चेन्नई की ओर से फाफ डू प्लेसिस ने 10 मैच में सबसे ज्यादा 10 कैच पकड़े हैं। हेटमायर, पोलार्ड और राहुल तेवतिया ने 7-7 कैच पकड़े हैं। इसके अलावा पडीक्कल, शुभमन, मयंक अग्रवाल और सैम करेन ने 6-6 कैच पकड़े हैं। बतौर विकेटकीपर चेन्नई के कप्तान धोनी ने सबसे ज्यादा 15 शिकार किए हैं। दिल्ली के पंत और मुंबई के डीकॉक ने 10-10 शिकार किए हैं।

दो से आठ नवंबर तक होने वाले पेरिस मास्टर्स से हटे विश्व के नंबर एक खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच

एनएसडब्ल्यू सरकार ने भारतीय टीम को क्वारंटाइन के दौरान ट्रेनिंग करने की अनुमति दी

सिडनी एजेंसी।

सिडनी और कैनबरा भारतीय टीम के आस्ट्रेलियाई दौरे पर सफेद गेंद के चरण की मेजबानी को तैयार हैं, क्योंकि न्यू साउथ वेल्स सरकार ने दौरा करने वाली टीम को पहुंचने के बाद अनिवार्य क्वारंटाइन के दौरान ट्रेनिंग की अनुमति दे दी है। 'ईएसपीएनक्रिकइंफो की बृहस्पतिवार की खबर के अनुसार, न्यू साउथ वेल्स सरकार (एनएसडब्ल्यू) और क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने एक समझौते के तहत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से लौटने वाले भारतीय और आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को क्वारंटाइन के दौरान सिडनी में ट्रेनिंग की अनुमति दे दी है। भारतीय टीम को पहले ब्रिसबेन पहुंचना था, लेकिन क्वींसलैंड राज्य स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस दौरान विराट कोहली एंड कंपनी को ट्रेनिंग करने की अनुमति के लिये 14 दिन के पृथकवास नियम में राहत नहीं दी। भारत को आस्ट्रेलियाई दौरे के दौरान तीन टी-20 अंतर्राष्ट्रीय, तीन वनडे और 4 टेस्ट मैच खेलने हैं। पहले दो वनडे सिडनी क्रिकेट मैदान पर 27 और 29 नवंबर को होंगे, जिसके बाद अंतिम वनडे कैनबरा के मनुका ओवल में होगा। पहला टी-20 भी कैनबरा में खेला जायेगा जिसके बाद अंतिम दो टी-20 सिडनी में खेले जायेंगे। गुलाबी गेंद का टेस्ट 17 से 21 दिसंबर तक एडीलेड में दूधिया रोशनी में खेला जायेगा। अगर कोविड-19 हालात के कारण मेलबर्न अधिकारियों को एमसीजी में मैच की मेजबानी की अनुमति नहीं देता तो 26 दिसंबर से होने वाला बाक्सिंग डे टेस्ट एडीलेड में भी खेला जा सकता है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया के भारतीय क्रिकेट बोर्ड से मंजूरी मिलने के बाद पूर्ण कार्यक्रम घोषित करने की उम्मीद है। सिडनी में नव वर्ष टेस्ट मैच को सात से 11 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है, जिसके बाद टीमें 15 जनवरी से होने वाले चौथे और अंतिम टेस्ट के लिये ब्रिसबेन पहुंच जायेंगी।

विराट 500 चौके लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने; धवन टॉप पर

अबुधामी , एजेंसी। विराट कोहली आईपीएल में 500 चौके लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। अब उनसे आगे शिखर धवन हैं। धवन ने 169 मैचों में 35.02 की औसत से 5044 रन बनाए हैं। जिसमें 575 चौके और 106 छक्के शामिल हैं। तीसरे स्थान पर सुरेश रैना हैं। उन्होंने 193 मैचों में 493 चौके और 194 छक्के लगाए हैं। रैना इस सीजन में नहीं खेल रहे हैं, लेकिन पिछले सीजन तक उन्होंने आईपीएल में कुल 5368 रन बनाए हैं। गौतम गंभीर ने 154 मैचों में 491 चौके लगाए हैं।कोहली ने 187 मैचों में 38.77की औसत से 5777 रन बनाए हैं। जिसमें 500 चौके और 199 छक्के शामिल हैं। कोहली ने इस सीजन में बुधवार 21 अक्टूबर तक कुल 10 मैच खेले और इस दौरान 365 रन बनाए। इनमें 20 चौके और 9 छक्के शामिल हैं। कोहली आईपीएल में अब तक 38 फिफ्टी लगा चुके हैं।केकेआर और बेंगलुरु मैच के दौरान तीन रिकॉर्ड बने पहला- विराट 500 बाउंड्री लगाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने। दूसरा- मोहम्मद सिराज ने दो मेडन कर आईपीएल का नया कीर्तिमान बनाया है। वह आईपीएल में 2 मेडन करने वाले पहले गेंदबाज बन गए। तीसरा- केकेआर ने इस सीजन का सबसे छोटा स्कोर बनाया। यह अब तक के आईपीएल सीजन्स में केकेआर का सबसे कम स्कोर भी है। खास बात ये है कि ऑलटाइम आईपीएल लो-स्कोर के मामले में भी यह दोनों ही टीमें शामिल हैं। 2017 में आरसीबी केकेआर के खिलाफ सिर्फ 49 रन पर सिमट गई थी।

पीएसएल टीम लाहौर कलंदर्स में शामिल हो सकते हैं 7 फीट 6 इंच लंबे मुदस्सर गुज्जर

दुबई | एजेंसी।

जीत के बाद कोहली बोले- पिच देखकर सिराज से बॉलिंग कराई ; मॉर्गन ने कहा- पहले गेंदबाजी करना चाहिए थी

आईपीएल-13 के एक मैच में बुधवार रात रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने केकेआर को आठ विकेट से हरा दिया। जीत के बाद बेंगलुरु के कप्तान विराट कोहली ने कहा- हमने नई गेंद की जिम्मेदारी क्रिस मॉरिस के साथ वॉशिंगटन सुंदर को सौंपने का प्लान बनाया था। विकेट सूखा देखकर सिराज को बॉलिंग दी। कोहली ने कहा ÷हमारी रणनीति सुंदर और मॉरिस के साथ गेंदबाजी की शुरुआत करने की थी। लेकिन, फिर हमने मॉरिस के साथ मोहम्मद सिराज को गेंद सौंपने का फैसला किया। मैनेजमेंट ने एक सिस्टम बनाया है, जिसमें सही तरह से रणनीति बनाई जाती है। हमारे पास प्लान-ए, प्लान बी और प्लान-सी रहते हैं। सिराज ने 4 ओवर में आठ रन देकर 3 विकेट लिए। उन्होंने अपने पहले ही ओवर में केकेआर के ओपनर राहुल त्रिपाठी और नीतीश राणा के दो लगातार गेंदों पर विकेट लिए। उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया। सुंदर ने 4 ओवर में 14 रन देकर 1 विकेट लिया। सिराज की तारीफ करते हुए कोहली ने कहा, ÷पिछला साल सिराज के लिए मुश्किल रहा था। इस साल उन्होंने काफी मेहनत की और प्रैक्टिस के दौरान कोच से बातचीत कर अपनी कमियों को दूर किया। जिसका परिणाम है कि वह बेहतर गेंदबाजी कर रहे हैं। लेकिन हम चाहते हैं वह आगे भी इसी तरह से मेहनत करें और बेहतर गेंदबाजी करें। मैच के बाद केकेआर के कप्तान इयोन मॉर्गन ने माना कि टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करना गलत साबित हुआ। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इसकी शुरुआत बल्लेबाजी से हुई। हमने जितनी जल्दी चार-पांच विकेट गवां दिए थे, वो निराशाजनक था। बेंगलुरु ने अच्छी गेंदबाजी की। पिच की स्थितियों को देखकर हमें पहले गेंदबाजी करनी चाहिए थी। मॉर्गन ने आंद्रे रसेल और सुनील नरेन को लेकर कहा, उम्मीद है कि रसेल और नरेन फिट होंगे और चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। वे काफी प्रतिभावान और बेहतर ऑलराउंडर हैं। ऐसे में उनका टीम में न होना निराशाजनक है।

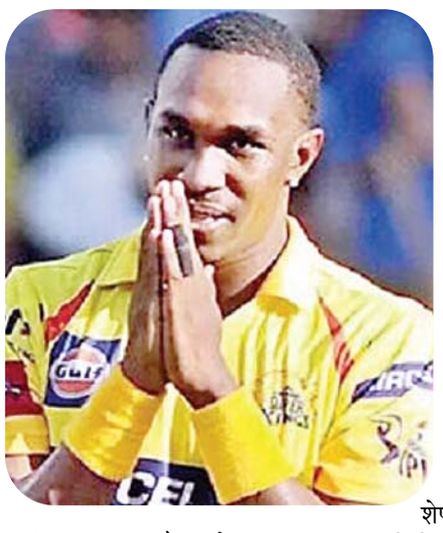

सार समाचार ....

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए ड्वेन ब्रावो, इस गेंदबाज को मिली टीम में जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। 27 नवंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम में एक बदलाव किया गया है। टीम के स्टार ऑल-राउंडर ड्वेन ब्रावो आईपीएल में चोटिल होने के चलते न्यूजीलैंड दौरे से बाहर हो गए हैं, उनकी जगह पर तेज गेंदबाज रोमारियो शेफर्ड को टीम में शामिल किया गया है। ब्रावो टी20 टीम का हिस्से थे। शेफर्ड इस साल हुई सीपीएल लीग 2020(कैरेबियन प्रीमियर लीग) में गुयाना अमेजन वॉरियर्स की टीम का हिस्सा थे, जो कि सेमीफाइनल तक पहुंची थी। गौरतलब है कि ब्रावो यूएई में खेले जा रहे आईपीएल 2020 में चेन्नई सुपर किंग्स की तरफ से खेलते हुए चोटिल हो गए थे। वो ग्रोइन इंजरी की समस्या से जूझ रहे हैं और उनको रिकवरी करने में काफी समय लग सकता है। यही वजह है कि उनकी जगह पर शेफर्ड को टीम में रखा गया है। शेफर्ड ने साल 2019 में अफगानिस्तान के खिलाफ अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की थी, जबकि इस साल जनवरी में उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ अपना टी20 डेब्यू किया था। वेस्टइंडीज की टीम को न्यूजीलैंड का दौरा अगले महीने करना है, जहां टीम तीन मैचों की टी20 और दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने वाली है। सीरीज का आगाज टी20 से होगा और पहला मैच 27 नवंबर को खेला जाएगा। ब्रावो की जगह टीम में शामिल किए गए शेफर्ड ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ा अवसर है और मैं इसको दोनों हाथों से लेना चाहूंगा। मैं पिछले साल टीम में था और इस साल की शुरुआत में भी टीम का हिस्सा रहा था, तो मुझे इस स्टेज का अंदाजा है। मैं काफी कड़ी मेहनत कर रहा हूं और अपने गेम पर काम कर रहा हूं, तो मैं पूरी तरह से तैयार हूं। इस साल कैरेबियन प्रीमियर लीग में नजर आए शेफर्ड ने गुयाना अमेजन की टीम की तरफ से खेलते हुए कुल 6 विकेट अपने नाम किए थे और उनका इकॉनमी 7.31 का रहा था।

बेंगलुरु के सिराज ने विकेट की झड़ी लगाई, एक मैच में 2 मेडन फेंकने वाले पहले बॉलर बने

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल के 13वें सीजन का 39वां मुकाबला पूरी तरह से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नाम रहा। मैच में कप्तान विराट कोहली ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को अचानक दूसरा ओवर थमा दिया। इसके बाद सिराज ने न सिर्फ मेडन ओवर डाला बल्कि लगातार 2 बॉल पर विकेट लेकर की मुश्किलें बढ़ा दीं। इसके बाद ञ्चयञ्च आखिर तक इन शुरुआती झटकों से उबर नहीं पाई। टीम के लगातार विकेट गिरते रहे। ञ्चयञ्च ने 8 विकेट गंवाकर 20 ओवर में सिर्फ 84 रन बनाए, जो इस सीजन का सबसे छोटा स्कोर है। इस बीच, सिराज एक मैच में दो मेडन फेंकने वाले पहले बॉलर बन गए। उन्होंने

रॉयल्स को सनराइजर्स के खिलाफ जीत की तलाश

- इस मैदान पर हुए कुल टी-20: 61
- पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती: 34
- पहले गेंदबाजी करने वाली टीम जीती: 26
- पहली पारी में टीम का औसत स्कोर: 144
- दूसरी पारी में टीम का औसत स्कोर: 122

दुबई | एजेंसी।

आईपीएल के 13वें सीजन का 40वां मैच राजस्थान रॉयल्स (ञ्जक्र) और सनराइजर्स हैदराबाद (स्ञ्ज॥) के बीच दुबई में शाम 7-30 बजे से खेला जाएगा। टूर्नामेंट में बने रहने के लिए दोनों टीमों को यह मैच जीतना जरूरी है। पॉइंट्स टेबल में राजस्थान 8 पॉइंट के साथ छठवें और हैदराबाद 6 पॉइंट के साथ 7वें नंबर पर है। हालांकि राजस्थान ने लीग में अब तक 10 और हैदराबाद ने 9 मैच खेले हैं।

पिछले मैच में राजस्थान ने हैदराबाद को हराया था

पिछले मैच में राजस्थान ने हैदराबाद को 5 विकेट से हराया था। राहुल तेवतिया और रियान पराग ने अपने दम पर मैच हैदराबाद से छीन लिया था। राजस्थान ने पहले 9 बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 158 रन बनाए थे। जवाब में हैदराबाद ने एक बॉल रहते 5 विकेट पर मैच जीत लिया था।

बटलर-स्मिथ राजस्थान के टॉप स्कोरर

राजस्थान के जोस बटलर और कप्तान स्टीव स्मिथ ने राजस्थान के लिए सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। बटलर ने 9 मैच में 262 रन और स्मिथ ने 10 मैच में 246 रन बनाए हैं। इसके अलावा संजू सैमसन ने 10 मैच में 236 रन बनाए हैं।

आर्चर-तेवतिया के नाम सबसे ज्यादा विकेट

राजस्थान के लिए सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में जोफ्रा आर्चर पहले और राहुल तेवतिया दूसरे नंबर पर हैं। आर्चर ने 10 मैच में 13 विकेट जबकि तेवतिया ने इतने ही मैचों में 7 विकेट लिए हैं। सीजन में आर्चर ने सबसे ज्यादा 120 डॉट बॉल डालीं हैं।

वॉर्नर-बेयरस्टो हैदराबाद के टॉप स्कोरर

हैदराबाद के कप्तान डेविड वॉर्नर और जॉनी बेयरस्टो ने अपनी टीम के लिए सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वॉर्नर ने 9 मैच में 331 और बेयरस्टो ने 9 मैच में 316 रन बनाए हैं। इसके बाद मनीष पांडे का नंबर आता है, जिन्होंने अब तक 9 मैच में 212 रन बनाए हैं।

राशिद-नटराजन ने गेंदबाजी में संभाला मोर्चा

राशिद खान और टी नटराजन ने हैदराबाद के लिए गेंदबाजी में मोर्चा संभाला हुआ है। राशिद ने 10 मैच में 13 विकेट जबकि नटराजन ने 9 मैच में 11 विकेट अपने नाम किए हैं। सीजन में डॉट बॉल डालने के मामले में राशिद (94) छठवें स्थान पर हैं।

हैदराबाद-राजस्थान के महंगे खिलाड़ी

हैदराबाद के सबसे महंगे खिलाड़ी डेविड वॉर्नर हैं। उन्हें फ्रेंचाइजी सीजन का 12.50 करोड़ रुपए देगी। इसके बाद टीम के दूसरे महंगे खिलाड़ी मनीष पांडे (11 करोड़) हैं। वहीं, राजस्थान में कप्तान स्टीव स्मिथ और बेन स्टोक्स 12.50 करोड़ रुपए कीमत के साथ सबसे महंगे प्लेयर हैं।

पिच और मौसम रिपोर्ट

दुबई में मैच के दौरान आसमान साफ रहेगा। तापमान 22 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। यहां पिच से बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। यहां स्लो विकेट होने के कारण स्पिनर्स को भी काफी मदद मिलेगी। दुबई में टॉस जीतने वाली टीम पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी। दुबई में इस आईपीएल से पहले हुए पिछले 61 टी-20 में पहले बल्लेबाजी वाली टीम की जीत का सक्सेस रेट 55.74त्न रहा है। हैदराबाद ने 3 बार (2009, 2016 और 2018) फाइनल में जगह बनाई और 2 बार (2009 और 2016) खिताब अपने नाम किया। वहीं, राजस्थान ने आईपीएल (2008) का पहला सीजन अपने नाम किया था।

आईपीएल में हैदराबाद का सक्सेस रेट राजस्थान से ज्यादा

लीग में सनराइजर्स हैदराबाद का सक्सेस रेट 52.56त्न है। हैदराबाद ने अब तक कुल 117 मैच खेले हैं, जिनमें उसने 61 मैच जीते और 56 हारे हैं। वहीं, राजस्थान का सक्सेस रेट 50.64त्न है। राजस्थान ने अब तक कुल 157 मैच खेले हैं, जिनमें उसने 79 जीते और 76 हारे हैं। 2 मैच बेनतीजा रहे।

रबाडा-बुमराह को बेस्ट नहीं मानते हैं मैक्सवेल कहा- यॉर्कर फेंकने में बेहतर हैं मोहम्मद शमी

दुबई, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मंगलवार को 5 विकेट से शानदार जीत दर्ज करने के बाद पंजाब के ग्लेन मैक्सवेल ने मोहम्मद शमी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, हम सबने देखा कि दिल्ली और मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में शमी ने कितनी बेहतरीन बॉलिंग की। वह इस वक्त में सबसे बेहतरीन यॉर्कर फेंकने वाले गेंदबाज हैं।मैक्सवेल ने कहा कि जिस तरह से शमी अंडर प्रेशर अच्छी बॉलिंग कर रहे हैं, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा, हमने सोचा था कि मुंबई के खिलाफ हमारी टीम सुपर ओवर में 10 से 15 रन बनाएगी। कम रन रहने के बावजूद शमी ने उस स्कोर को डिफेंड किया। उनकी जितनी भी तारीफ की जाए कम है। हमारी टीम के लिए वह एक शानदार प्लेयर रहे हैं। मैक्सवेल ने कहा कि इस वक्त टीम का माहौल बेहतर है और वे आगे के मैचों के बारे में सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, हूडा और नीशम ने मैच को लास्ट ओवर में नहीं ले जाकर अच्छा किया और हम एक ओवर रहते ही जीत गए। हमने लगातार 3 मैच जीत लिए हैं। इससे टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है। मुझे उम्मीद है कि आगे भी टीम इसी तरह से प्रदर्शन करेगी और हम प्लेऑफ में पहुंचेंगे। बता दें कि पंजाब और मुंबई इंडियंस के बीच 36वें मैच में डबल सुपर ओवर खेला गया था। पहले सुपर ओवर में पंजाब ने 5 रन बनाए थे। इसके जवाब में शमी की शानदार गेंदबाजी की बदौलत मुंबई भी 5 रन ही बना सकी थी। दूसरे सुपर ओवर में पंजाब ने मुंबई को हरा दिया था। दिल्ली के खिलाफ 38वें मैच में भी शमी ने 4 ओवर में 28 रन देकर 2 विकेट लिए। दिल्ली के कगिसो रबाडा, पंजाब के शमी और मुंबई इंडियंस के जसप्रीत बुमराह इस सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में टॉप-3 पर काबिज हैं। शमी ने इस सीजन में अभी तक 10 मैचों में 20.37 की औसत से 16 विकेट लिए हैं। वह इस सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में दूसरे पोजिशन पर हैं। इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट 8.43 का रहा है। वहीं, 15 रन देकर 3 विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग है। जबकि दिल्ली के कगिसो रबाडा 10 मैचों में 21 विकेट लेकर टॉप पर हैं। उनका इकोनॉमी रेट 7.58 का रहा है। जबकि 24 रन देकर 4 विकेट उनकी बेस्ट बॉलिंग है। बुमराह ने 7.43 की इकोनॉमी रेट से 9 मैचों में 15 विकेट लिए हैं। वहीं, 20 रन देकर 4 विकेट उनकी सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग रही है। किंग्स इलेवन पंजाब ने अपने लास्ट तीन मैचों में पॉइंट्स टेबल में टॉप पर काबिज मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को हराया है। लगातार तीन जीत के साथ पंजाब पॉइंट्स टेबल में टॉप-5 में पहुंच गई है। पंजाब की टीम 24 अक्टूबर को दुबई में सनराइजर्स हैदराबाद से भिड़ेगी।

फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब के ट्रेलर की अजय देवगन ने की तारीफ

अक्षय कुमार जल्द ही फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है। राघव लॉरेंस द्वारा निर्देशत हॉरर कॉमेडी फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब के ट्रेलर की तारीफ हो रही है। अभिनेता अजय देवगन ने फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब के ट्रेलर को कई बार देखा है और उसको दिलचस्प बताया है। उन्होंने कहा कि वह फिल्म देखने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने अक्षय कुमार के परफॉर्मेंस की सराहना की है। फिल्म का पहला सॉन्ग बुर्ज खलीफा हाल में रिलीज हुआ है। पार्टी सॉन्ग बुर्ज खलीफा को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। सॉन्ग में कियारा आडवाणी और अक्षय कुमार ने जबरदस्त डांस किया है। अजय देवगन ने ट्विटर पर लिखा-मैंने लक्ष्मी बॉम्ब का ट्रेलर कई बार देखा है। कहना चाहूंगा कि यह वाकई बहुत इंटरटेनिंग है। अक्की सभी अवतारों में शानदार दिखे हैं। अब 9 नवंबर का इंतजार है। वहीं अजय देवगन के पोस्ट पर अक्षय कुमार ने अपनी प्रतिक्रिया दी है और उन्होंने लिखा-बहुत बहुत धन्यवाद अजय, आपके जैसे उम्दा अभिनेता से यह शब्द सुनना मेरे लिए बहुत खास है। अब फिल्म रिलीज के बाद आपके रिव्यू का इंतजार रहेगा। उम्मीद है आपको फिल्म पसंद आएगी।

फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब के ट्रेलर देखने के बाद कई बॉलीवुड सेलिब्रिटी ने अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। फिल्म में अक्षय कुमार एक किन्नर की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में हैं। दीवाली के मौके पर फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 9 नवंबर, 2020 को रिलीज होगी। वहीं यह फिल्म सिनेमाघरों में उसी दिन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और यूएई में रिलीज होगी। हॉरर कॉमेडी फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब के निर्देशक राघव लॉरेंस हैं। यह फिल्म केप ऑफ गुड फिल्म्स, शबीना खान और तुषार कपूर द्वारा निर्मित है। यह फिल्म साउथ की सुपरहिट हॉरर फिल्म कंचना की हिंदी रीमेक है। पहले यह फिल्म सिनेमाघरों में 22 मई, 2020 को रिलीज होने वाली थी।

शरवरी वाघ की बंटी और बबली 2 से बॉलीवुड में डेब्यू, डबिंग पूरी, जल्द होगी रिलीज

रानी मुखर्जी, सैफ अली खान, सिद्धांत चतुर्वेदी और शरवरी वाघ की फिल्म बंटी और बबली 2 की डबिंग पूरी हो चुकी है। अब फिल्म जल्द ही रिलीज होने वाली है। फिल्म के निर्देशक वरुण वी. शर्मा ने कहा है कि सभी कलाकारों ने फिल्म के लिए डबिंग पूरी कर ली है। फिल्म बड़े पर्दे पर लोगों को काफी मनोरंजन करेगी। फिल्म बंटी और बबली 2 जल्द ही रिलीज होगी। अभिनेत्री शरवरी वाघ फिल्म बंटी और बबली 2 से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही है। वहीं वरुण शर्मा की भी बतौर निर्देशक यह पहली फिल्म है। अभिनेता सिद्धार्थ चतुर्वेदी इस फिल्म में बंटी का किरदार निभाएंगे, जबकि शरवरी बबली की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में रानी मुखर्जी और सैफ अली खान सीनियर ठग की भूमिका में होंगे। यह फिल्म पहले 26 जून को रिलीज होने वाली थी। हालांकि कोरोना के वजह से फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ गई है। हालांकि अभी फिल्म की रिलीज डेट अभी सामने नहीं आई है। फिल्म बंटी और बबली 2 वरुण शर्मा द्वारा निर्देशित एवं आदित्य चोपड़ा द्वारा निर्मित है। यह फिल्म साल 2005 में अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी की फिल्म बंटी और बबली 2 का सीक्वल है। सैफ अली खान और रानी मुखर्जी की जोड़ी 11 साल बाद इस फिल्म में नजर आएगी। सैफ और रानी की जोड़ी पहले फिल्म हम तुम, ता रा रम पम और थोड़ा प्यार थोड़ा मैजिक में नजर आ चुकी है।

वेब सीरीज बंदिश बैंडिट्स ने बदली श्रेया चौधरी की जिंदगी

हाल ही में रिलीज हुई वेब सीरीज बंदिश बैंडिट्स हिट रही। ऐसे में सीरीज की अभिनेत्री श्रेया चौधरी, जो कि नवोदित कलाकार हैं, वह खुश है कि लोगों ने उनके प्रयासों को सराहा है। सीरीज में एक पॉप स्टार की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री ने कहा, मुझे लगता है कि मेरे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण बदलाव बंदिश बैंडिट्स लेकर आया है, जिसकी वजह से लोग मुझे मेरे काम के लिए पहचान रहे हैं। मेरी हर सुबह लोगों के मैसेज से शुरू होती है और प्रशंसकों के प्यार से ज्यादा बड़ा पुरस्कार कुछ भी नहीं है। शो की सफलता ने उनके जीवन को कैसे बदल दिया इस पर श्रेया ने कहा, बंदिश बैंडिट्स ने मुझे उम्मीद से कहीं अधिक दिया। इस परीक्षा की घड़ी में यह खुशी का एक बड़ा स्रोत रहा है और यह मुझे बहुत खुशी से भर देता है। और यह बात मुझे काफी आनंदित करती है, जब लोग कहते हैं उन्हें सीरीज देखकर बहुत आनंद आया। श्रेया ने आगे कहा, मुझे कई प्रस्ताव मिल रहे हैं और उम्मीद है कि जब समय सही होगा, हम अपने भविष्य के प्रोजेक्ट्स के बारे में बात कर सकते हैं।

बंदिश बैंडिट्स से पहले श्रेया को फिल्म निर्माता इम्तियाज अली की 2018 की शॉर्ट द अदर वे और फीचर फिल्म डियर माया में देखा गया था।

फिल्म इंडस्ट्री में वरुण धवन ने आठ साल किए पूरे, सोशल मीडिया पर फैंस का जताया आभार

बॉलीवुड फिल्म अभिनेता वरुण धवन ने बतौर अभिनेता बॉलीवुड में अपने आठ साल पूरे कर लिए हैं। बतौर अभिनेता वरुण की पहली फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 19 अक्टूबर, 2012 को रिलीज हुई थी। करण जौहर द्वारा निर्देशित इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट और सिद्धार्थ मल्होत्रा भी लीड रोल में थे। फिल्म में लीड रोल निभा रहे ये तीनों कलाकार की मुख्य भूमिका में यह पहली फिल्म थी। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। वहीं वरुण धवन ने बॉलीवुड में अपनी आठ साल की जर्नी को याद करते हुए फैंस के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने ट्विटर पर कुछ तस्वीरें शेयर की है। अपने पहले ट्वीट में वरुण धवन ने लिखा-आपके और मेरे बीच यह यात्रा शुरू हुए 8 साल हो गए हैं। जब किसी ने मुझ पर विश्वास नहीं किया उस समय विश्वास करने के लिए शुक्रिया। मुझे याद है हर शहर मैं दौरा किया था, पत्र, तोहफे, टैटू और सबसे महत्वपूर्ण चीज प्यार। इसके साथ ही वरुण ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए अपने दूसरे ट्वीट में लिखा-जब मैं रोया, आप भी रोए, मैं हंसा तो आप भी हंसे, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मुझे पता है कि मैंने जो कुछ भी किया है, आपने सराहा है। सुरक्षित रहें प्यार, वरुण। सोशल मीडिया पर वरुण के इस पोस्ट पर फैंस जमकर प्यार लूटा रहे हैं और उन्हें बधाई दे रहे हैं। इसके साथ ही फैंस वरुण को आने वाले फिल्म के लिए शुभकामनाएं भी दे रहे हैं। वरुण धवन ने अपने आठ साल के अभिनय करियर में मैं तेरा हीरो, हम्पटी शर्मा की दुल्हनियां, बदलापुर, एबीसीडी 2, दिलवाले, जुड़वां 2 आदि कई शानदार फिल्में दी है, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। वर्कफ्रंट की बात करें तो वरुण धवन की फिल्म कुली नंबर वन इसी साल क्रिसमस के मौके पर 25 दिसंबर, 2020 को अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। डेविड धवन निर्देशित द्वारा इस फिल्म में वरुण धवन के साथ सारा अली खान मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

बिग बॉस 14 को मिला घर का पहला कैप्टन, नाम सुनकर खून के आंसू रोएंगी निक्की तम्बोली

बिग बॉस 14 को शुरू हुए अब तीन हफ्ते पूरे होने वाले हैं और अब घरवालों को अपना पहला कैप्टन मिलने वाला है। सीनियर्स की विदाई के बाद ही बीती रात ही बिग बॉस ने घरवालों को पहला कैप्टेंसी टास्क दिया है। इस टास्क के आखिर में इस सीजन के पहले कैप्टन की घोषणा हो जाएगी। ताजा जानकारी की मानें तो बिग बॉस 14 के पहले कैप्टन निशांत मलखानी बनने वाले हैं। निशांत मलखानी ने जी टीवी के सीरियल गुड्डन तुमसे ना हो पाएगा के जरिए खूब लोकप्रियता हासिल की है। बिग बॉस 14 के घर में कदम रखने के बाद से निशांत मलखानी काफी सूझ-बूझ के साथ आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। निशांत मलखानी को कैप्टेंसी का विनर बना दिया जाएगा। इसी के साथ उन्हें घर में कुछ पावर भी मिलेंगी। निशांत मलखानी को पूरे हफ्ते के लिए एक खास कमरा दिया जाएगा, जिसमें अलग से एक बाथरूम भी अटैच होगा। बिग बॉस ने कैप्टेंसी टास्क के लिए घर के बाहरी एरिया को एक डॉल हाउस की तरह से सजाया है। यहां पर एक फायरस्टेशन भी है और घरवालों को फायरमैन की भूमिका निभानी है। डॉल हाउस के अंदर संचालक (एजाज खान और पवित्रा पुनिया) को छोड़कर बाकी सभी कंटेस्टेंट्स के नाम की डॉल रखी है। बिग बॉस के बर्जर बजाए जाने पर डॉल हाउस में आग लगेगी। बर्जर सुनकर हर कंटेस्टेंट को दूसरे कंटेस्टेंट के नाम की डॉल उठानी है। इस टास्क के हर एक राउंड में जो भी कंटेस्टेंट

डॉल हाउस से सबसे आखिरी में निकलेगा, वो टास्क से बाहर हो जाएगा। इस वजह से संचालक बने हैं पवित्रा और एजाज पवित्रा पुनिया और एजाज खान को पहले घर से बेघर कर दिया गया था। इसके बाद देर रात इमरजेंसी लगाकर दोनों को घर के अंदर दोबारा एंट्री दी गई थी। दोबारा एंट्री होते ही पवित्रा पुनिया और एजाज खान को घर के नए एरिया (रेड जोन) में रखा गया है। ऐसे में साफ है कि पवित्रा पुनिया और एजाज खान पर एलिमिनेशन की तलवार लटक रही है। ऐसे में बिग बॉस ने साफ तौर पर दोनों को कैप्टेंसी टास्क में हिस्सा लेने से मना कर दिया था। इस वजह से दोनों को सीजन के पहले कैप्टेंसी टास्क का संचालक बनाया गया है।

आरआरआर के मेकर्स ने जूनियर एनटीआर का फर्स्ट लुक किया रिलीज

साउथ इंडस्ट्री के जाने-माने डायरेक्टर एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म आरआरआर से सुपरस्टार जूनियर एनटीआर का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। हाल ही में मेकर्स ने फिल्म से जुड़ा एक टीजर रिलीज किया है, जिसमें जूनियर एनटीआर की जबरदस्त बॉडी और उनका धांसू अवतार देखने को मिल रहा है। आरआरआर के इस टीजर को देखने के बाद फैंस सोशल मीडिया पर लगातार तारीफ कर रहे हैं। जूनियर एनटीआर के लुभावने फर्स्ट लुक को साझा करते हुए राम चरण ने ट्वीट किया, फाइनली, यहां एक शक्तिशाली भीम है! मेरे प्यारे भाई के लिए एक शानदार उपहार। इस टीजर में जूनियर एनटीआर जंगल में दिखाई दे रहे हैं। वहीं टीजर के अंत में एनटीआर सफेद रंग के कुर्ता-पायजामा पहने दिखाई देते हैं। 1.33 सेकंड के इस टीजर को देखते वक्त आप चाहकर भी नजरें नहीं हटा पाएंगे। फैंस काफी लंबे समय से इसका इंतजार कर रहे थे और यकीन मानिए यह पूरी तरह से इंतजार के लायक भी है। एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की बची हुई शूटिंग एक बार फिर हैदराबाद में शुरू कर दी गई है। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर और राम चरण के अलावा बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन और एक्ट्रेस आलिया भट्ट भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगी।

शाहरुख खान की फिल्म डॉन के 14 साल पूरे

फरहान अख्तर द्वारा निर्देशित फिल्म डॉन ने आज अपनी रिलीज के 14 साल पूरे कर लिए है। इस फिल्म में शाहरुख खान, प्रियंका चोपड़ा, करीना कपूर, अर्जुन रामपाल, बोमन ईरानी, ईशा कोपिकर और ओम पुरी थे। यह फिल्म 20 अक्टूबर, 2006 को रिलीज हुई थी।

फिल्म के 14 साल पूरे होने पर फिल्म निर्माताओं ने इसका जश्न मनाते हुए फिल्म के 14 साल पूरे होने पर खुशी व्यक्त की है। फिल्म के निर्माता व निर्देशक फरहान अख्तर ने ट्वीट किया-डॉन को याद रखने की जरूरत नहीं है। क्योंकि डॉन को भूल जाना नामुमकिन है ।डॉन के 14 साल पूरे।

फिल्म निर्माता रितेश सिधवानी ने भी फिल्म का जिक्र करते हुए ट्वीट किया-डॉन के 14 साल पूरे हो चुके हैं, और मैं अभी भी शूटिंग के हर दिन को याद रख सकता हूं। क्या खूबसूरत यादें! एक बड़ी वर्चुअल हग और बहुत सारी लव एंड लाइट एक किक टीम के लिए जिसने इस फिल्म को हमारे और दर्शकों के दिलों में हमेशा के लिए बनाया है।

इस फिल्म में शाहरुख खान डॉन की भूमिका थे। वहीं बोमन ईरानी ने डिप्टी कमिशनर का किरदार निभाया था। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा ने रोमा और करीना कपूर ने कामिनी का किरदार निभाया था। इस फिल्म को फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी ने मिलकर प्रोड्यूस किया था। यह फिल्म 1978 में अमिताभ बच्चन की फिल्म डॉन का रिक्रिएशन है।

सोशल मीडिया पर तहलका मचा रहा नोरा फतेही और गुरु रंधावा का गाना नाच मेरी रानी

पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा और नोरा फतेही का नया वीडियो सॉन्ग नाच मेरी रानी रिलीज हो गया है। वीडियो में नोरा और गुरु की केमिस्ट्री देखते ही बन रही है। यूट्यूब पर वीडियो सॉन्ग को बार-बार देखा जा रहा है। इस गाने को गुरु रंधावा और निकिता गांधी ने अपनी आवाज दी है। गाने की शुरुआत में गुरु रंधाना एक लैब में नजर आ रहे हैं जहां पर वह रोबोट बनाने का काम कर रहे हैं। वह कंप्यूटर प्रोग्रामिंग के जरिए रोबोट को जिंदा कर देते हैं। इसके बाद वह रोबोट देखते ही देखते नोरा फतेही में बदल जाता है। वीडियो में नोरा ने अपने डांस से एक बार फिर फैन्स का दिल जीत लिया है। गुरु रंधावा और नोरा फतेही का यह वीडियो सॉन्ग यूट्यूब पर 52 लाख से ज्यादा बार देखा जा चुका है। यूट्यूब पर यह वीडियो नंबर 1 पर ट्रेंड कर रहा है। इस गाने को तनिष्क बागची ने लिखा और उन्होंने ही इस कंपोज किया है। इससे पहले गुरु रंधावा का गाना बेबी गर्ल रिलीज हुआ जिसे बहुत पसंद किया गया। अब उनका नाच मेरी रानी यूट्यूब पर धमाल मचा रहा है। वहीं, नोरा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह अजय देवगन की फिल्म भुज-द प्राइड ऑफ इंडिया में नजर आएंगी, जो डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने के लिए तैयार है।

मजेदार और दिलचस्प है अनुराग बसु की मल्टी-स्टारर फिल्म लूडो का ट्रेलर

निर्देशक अनुराग बसु अपनी आगामी फिल्म लूडो को लेकर काफी समय से चर्चा में हैं। कोरोना महामारी के कारण कई फिल्में ओटीटी प्लेटफार्म पर रिलीज हो रही है। देश में सिनेमाघरों को फिर से खोलने की अनुमति मिलने के बाद भी कुछ बड़ी फिल्में इस साल ओटीटी प्लेटफार्मों पर रिलीज होगी। अनुराग बसु की फिल्म लूडो का प्रीमियर 12 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर होगा।

फिल्म में अभिनेता अभिषेक बच्चन, राजकुमार राव, आदित्य रॉय कपूर, पंकज त्रिपाठी, फातिमा सना शेख और सान्या मल्होत्रा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म लूडो का ट्रेलर सोमवार यानी 19 अक्टूबर को रिलीज हो गई। नेटफ्लिक्स ने ट्विटर पर लूडो का ट्रेलर शेयर कर लिखा-लूडो वास्तव में जीवन है और हमने इस क्षण के लिए पर्याप्त अभ्यास किया है। लूडो नेटफ्लिक्स पर आ रही है। पावर-पैक ट्रेलर में कई दिलचस्प किरदारों की झलक दिखती है। ट्रेलर में अभिषेक बच्चन को किडनैपर के रूप में दिखाया जाता है। ट्रेलर में एक बच्ची कहती है क्या यह आपकी पहली किडनैपिंग है। वहीं राजकुमार राव एक वेटर का किरदार में दिख रहे हैं और उनको अपनी पूर्व प्रेमिका के पति को आजाद कराना है। वहीं पंकज त्रिपाठी को इनका बॉस के रूप

में दिखाया जा रहा है। उनमें से सभी के जिंदगी की उथल-पुथल को दिखाने की कोशिश की है। ट्रेलर में सभी किरदारों की जिंदगी की उलझनों को दिलचस्प तरीके से दिखाया गया है।

बिग बॉस 14 के घर से बाहर आते ही हिना खान ने किया पहला ट्वीट

बिग बॉस 14 टीवी की दुनिया का एक ऐसा रिएलिटी शो है जहां कब क्या हो जाए किसी को पता नहीं होता। एक रात में बिग बॉस 14 के मेकर्स ने पूरा गेम ही पलट कर रख दिया है। बीता रात अचानक ही बिग बॉस ने शो के सीनियर्स सिद्धार्थ शुक्ला, हिना खान और गौहर खान को गेम से बाहर कर दिया है। बिग बॉस का ये फैसला सुनकर घर के सभी सदस्य फूट-फूटकर रोते नजर आए। वहीं घर के सीनियर्स भी अपने आंसुओं पर काबू नहीं कर सके। सीनियर्स के जाने के बाद घरवाले उनको काफी मिस कर रहे हैं। कुछ ऐसा ही हाल सीनियर हिना खान का भी है। हिना खान भी अपने सभी दोस्तों को बहुत याद कर रही हैं। इस बात का सबूत हिना खान का लेटेस्ट ट्वीट है जो उन्होंने बिग बॉस 14 के घर से आने के बाद फैंस के साथ साझा किया है। इतना ही नहीं हिना खान ने अपने ट्वीट में सिद्धार्थ शुक्ला और गौहर खान का भी जिक्र किया है। हिना खान ने लिखा, मैं अपनी इस तिकड़ी को बहुत मिस करने वाली हूं। सिद्धार्थ शुक्ला और गौहर खान इस सफर में मेरा साथ देने के लिए तुम दोनों का तहे दिल से धन्यवाद। मैंने तुम दोनों से बहुत कुछ सीखा है। मैं हम लोगों की मस्ती को बहुत मिस करने वाली हूं। हम तीनों की मस्ती सुबह का ब्रेकफास्ट, एक साथ लंच और डिनर करना, हमारी बातें ये सब मुझे बहुत याद आने वाला है। मैं आप दोनों को एक बार फिर से शुक्रिया कहना चाहती हूं। मेरी तरह से तुम दोनों को ढेर सारा प्यार। अपने दूसरे ट्वीट में हिना खान ने लिखा, बीते हफ्ते मेरे लिए काफी अलग रहे हैं। बिग बॉस के घर में हमने लड़ाई की है।

सुशांत सिंह राजपूत के मामले पर ऋतिक रोशन की मां ने कहा, हर कोई सच्चाई चाहता है लेकिन कोई भी ईमानदार नहीं..

बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत रहस्यमय परिस्थितियों में14 जून को अपने मुंबई अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। शुरुआत के दिनों में अभिनेता की मौत के मामले की जांच मुंबई पुलिस ने की। इसके बार अभिनेता के पिता की एफआईआर के बाद बिहार पुलिस ने भी इस मामले की जांच की आगे बढ़ाया। इस बीच दिवंगत अभिनेता के परिवार के सदस्य, दोस्त और फैंस ने अभिनेता के लिए न्याय की मांग की। इसके बाद 19 अगस्त को यह मामला सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया गया। हालांकि अभिनेता के मौत के चार महीने बाद भी सुशांत के फैंस लगातार उनके लिए न्याय की मांग करते हुए प्रार्थना सभाएं और सोशल कैम्पेनिंग का आयोजन करते रहे हैं। इसी बीच बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन की मां पिंकी रोशन ने सुशांत सिंह राजपूत के मामले में इंस्टाग्राम हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया है। पिंकी रोशन ने पोस्ट के साथ दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की एक तस्वीर साझा की। इसके साथ लिखा, हर कोई सच्चाई जानना चाहता है लेकिन कोई भी ईमानदार नहीं होना चाहता है। वर्तमान में अभिनेता के मामले की जांच तीन जांच एजेंसियां सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो कर रही हैं। इस बीच सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति अपने सभी प्रशंसकों से एकजुट रहने के लिए कह रही हैं। उन्होंने हाल ही में एक नया अभियान ुरू किया है और केदारनाथ अभिनेता के प्रशंसकों से जरूरतमंदों को खिलाने का आग्रह किया है। सिर्फ इतना ही नहीं सुशांत की एक्स-गर्लफ्रेंड अंकिता लोखंडे ने भी उनके अभियानों और ग्लोबल प्रेयर मीट को पूरा करने में अपना सहयोग दिया।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।